सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" इंसान कितना भी मजबूत हो
ताने दिमाग को हिला ही देते हैं...!! "

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–190 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, बुधवार 29 जुलाई 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

बीएसपी प्रबंधन लखोटिया पर मेहरबान! रिश्वतकांड से जुड़ी रही कंपनी को 1 अक्टूबर से सौंपा जा रहा स्क्रैप का काम

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम भिलाई इस्पात संयंत्र में एक बार फिर "स्क्रैप माफिया" की लाल कालीन बिछाने की तैयारी है। आरोप है कि सेल और BSP प्रबंधन ने रिश्वतकांड में गिरफ्तार हो चुकी लखोटिया ग्रुप को 1 अक्टूबर से करोड़ों का स्क्रैप प्रोसेसिंग और हैंडलिंग का काम देने का मन बना लिया है।

सबसे गंभीर बात ये कि FSNL जिसे 45 साल से नॉमिनेशन पर ये काम मिलता था, उसे सुनियोजित साजिश के तहत टेंडर में बांटकर किनारे किया जा रहा है। इस फैसले से 6000 कर्मचारियों, अधिकारियों और ठेका श्रमिकों की रोजी-रोटी पर संकट आ गया है।

टेंडर का पूरा खेल

बीते मार्च में BSP ने ग्लोबल टेंडर के जरिए स्क्रैप का काम 4 हिस्सों में बांट दिया। इसमें 1 हिस्सा FSNL को, 1 हिस्सा श्री इंटरनेशनल व्यापार प्राइवेट लिमिटेड - पवन कुमार लखोटिया को और 1 हिस्सा खरह को मिला।

आरोप है कि लखोटिया और JSW ने 6 महीने का समय बीतने के बाद भी सैकड़ों करोड़ की सुरक्षा निधि जमा नहीं की और काम भी शुरू नहीं किया। नियम कहता है कि ऐसी कंपनियों को ब्लैकलिस्ट कर अमानत जब्त की जाए। लेकिन इसके उल्टे BSP लखोटिया को ही काम देने की तैयारी कर रहा है।

कौन है लखोटिया? रिश्वत देते हुए थे रंगे हाथ गिरफ्तार

BSP जिस कंपनी को काम देना चाहता है उसका नाम पवन कुमार लखोटिया है। 3 अगस्त 2007 को छत्तीसगढ़ ACB की टीम ने पवन लखोटिया को दुर्ग के तत्कालीन सांसद को 5 लाख रुपये रिश्वत देते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया था। मामला था - सांसद के द्वारा की गई शिकायत को वापस करवाने के लिए दबाव बनाना था।

इस पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 12 के तहत अपराध क्रमांक 12/07 दर्ज हुआ। 4 अगस्त 2007 को उन्हें विशेष न्यायालय दुर्ग में पेश कर रिमांड पर लिया गया और बाद में न्यायिक हिरासत भी काटनी पड़ी। जांच में भिलाई के CISF अधिकारी भी शामिल थे।

एफएसएनएल को किनारे कर 6000 कर्मचारियों को सड़क पर लाने की साजिश?

"ऐसे लोगों से प्लांट की सुरक्षा को खतरा"

कर्मचारियों का सवाल है - जिस समय BSP में करोड़ों के स्क्रैप-कोक चोरी की CBI जांच चल रही है और GM लेवल तक के 16 लोग जेल में हैं, उस समय रिश्वतकांड वाली कंपनी को एंट्री क्यों?

कर्मचारी नेता बोले - "भिलाई से देश की आधी रेल पटरी और नौसेना की पनडुब्बी की प्लेट बनती है। ऐसे भ्रष्ट लोगों के हाथ में स्क्रैप देने से गुणवत्ता और देश की सुरक्षा दोनों खतरे में पड़ जाएगी। चोरी और दबंगई और बढ़ेगी।"

6000 परिवार बर्बाद, हड़ताल की चेतावनी

FSNL के निजीकरण और टेंडर के बाद पहले ही हजारों कर्मी प्रभावित हुए हैं। अब लखोटिया को काम देने से FSNL के 6000 कर्मी-अधिकारी-ठेका श्रमिक बेरोजगार हो जाएंगे।

यूनियनों ने साफ कहा - "FSNL को किनारे कर लखोटिया को छूट देना किसी बड़े मिलीभगत की तरफ इशारा है। अगर लखोटिया को छूट मिली तो JSW भी मांगेगा। इस फैसले से छत्तीसगढ़ में स्क्रैप माफिया राज कायम होगा।"

मांग: कर्मचारियों ने मांग की है कि लखोटिया को काम देने का आदेश तुरंत रद्द कर पूरा काम FSNL को दिया जाए। अन्यथा कर्मचारी फिर हड़ताल पर जाएंगे और कानून-व्यवस्था बिगड़ने की जिम्मेदारी BSP प्रबंधन की होगी।

फैक्ट फाइल

2007 का रिश्वतकांड: पवन लखोटिया, 5 लाख रिश्वत, धारा 12 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम

2025 का टेंडर: 4 भाग, सुरक्षा राशि जमा नहीं, फिर भी काम देने की तैयारी

दांव पर: 6000 रोजगार, प्लांट की सुरक्षा, राष्ट्रीय उत्पादन

Reels स्टंटबाज भीमेश देवांगन पर FIR, राखी पुलिस ने बाइक व मोबाइल जब्त किया, जांच जारी

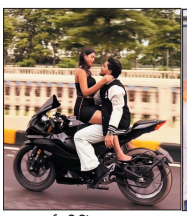

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर। Reels के चक्कर में कानून तोड़ने वाले सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के खिलाफ पुलिस ने अब ठोस कार्रवाई की है। वायरल वीडियो की पुष्टि होने के बाद राखी थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आगे की वैधानिक कार्रवाई की है। आरोपी ने कान पकड़कर मांफी भी मांगी है और दोबारा कानून नहीं तोड़ने की बात कही है।

वीडियो की पुष्टि के बाद क्या हुआ: पुलिस सूत्रों के अनुसार इंस्टाग्राम रील 'bhimeshh__22' से अपलोड किए गए वीडियो की फोरेंसिक और तकनीकी जांच में पुष्टि हो गई है कि वीडियो में दिख रहा युवक भीमेश देवांगन, पिता गोपाल देवांगन, उम्र 24, निवासी मठपुरैना ही है। वीडियो में वह नया रायपुर की सार्वजनिक सड़क पर बिना हेलमेट बाइक चलाते हुए खतरनाक स्टंट कर रहा था और साथ बैठी युवती के साथ अश्लील हरकतें कर रहा था।

अब तक की कार्रवाई

FIR दर्ज: अपराध क्रमांक 154/2026 के तहत BNS की अश्लीलता फैलाने संबंधी धाराओं और मोटर वाहन अधिनियम की धारा 184, 192 के तहत प्रकरण दर्ज।

जब्ती: आरोपी की बाइक और मोबाइल फोन को साक्ष्य के रूप में जब्त किया गया।

पूछताछ: आरोपी से पूछताछ में उसने रील्स और व्यूज के लिए स्टंट करना स्वीकार किया। आरोपी ने पुलिस के सामने कान पकड़कर दोबारा कानून नहीं तोड़ने की बात भी कही।

पुलिस व प्रशासन का बयान

राखी थाना प्रभारी ने कहा - "सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए सार्वजनिक सड़क पर स्टंट और अश्लीलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वीडियो की पुष्टि के बाद आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई है।" यातायात पुलिस ने भी दोहराया कि इस तरह के कृत्य में शामिल अन्य इन्फ्लुएंसर्स की भी पहचान कर उनके खिलाफ अभियान चलाया जाएगा।

जनता की मांग

वीडियो वायरल होने के बाद से ही सोशल मीडिया पर लोग मांग कर रहे थे कि ऐसे लोगों का लाइसेंस रद्द किया जाए और भारी जुर्माना लगाया जाए ताकि युवा पीढ़ी के लिए नजीर बन सके। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि यदि उन्हें भी इस तरह के खतरनाक स्टंट के वीडियो मिलें तो तुरंत 112 या नजदीकी थाने को सूचित करें।

संसद में 'एंटी पेपर लीक बिल' पर तीखी बहस

विपक्ष ने लाठीचार्ज और नीट लीक पर सरकार को घेरा, प्रियंका गांधी के बयान पर हंगामा

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

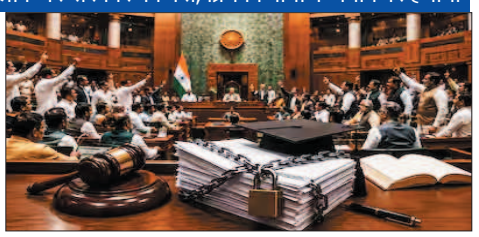

संसद के मानसून सत्र के दौरान मंगलवार को लोकसभा में 'एंटी पेपर लीक बिल' पर 10 घंटे तक चली चर्चा में सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने आ गए। मूल रूप से 6 घंटे के लिए तय इस बहस को विपक्ष के हंगामे के बाद 10 घंटे तक बढ़ाया गया। चर्चा के केंद्र में नीट पेपर लीक, छात्रों पर लाठीचार्ज और Gen-Z शब्दावली रही।

सरकार: कड़े कानून से रुकेगी धांधली

चर्चा की शुरुआत करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बिल के कड़े प्रावधानों को गिनाया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं करेगी। 2009 और 2011 की पुरानी पेपर लीक घटनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इस कानून से दोषियों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित होगी।

विपक्ष: 'बिल सिर्फ दिखावा'

विपक्ष ने सरकार पर हमले तेज कर दिए।

गौरव गोगोई (कांग्रेस): असम के जोरहाट से सांसद ने बिल को महज दिखावा बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि नीट मामले के कई मुख्य आरोपियों को बेल मिल चुकी है। सरकार शिक्षा माफिया पर कार्रवाई के बजाय सोशल मीडिया और रील्स पर ध्यान दे रही है।

अखिलेश यादव (सपा): सपा अध्यक्ष ने तंज कसते हुए कहा "एक प्रधान जी को हटाकर प्रधानमंत्री को बचा लिया गया।" उन्होंने छात्रों के आंदोलन का समर्थन करते हुए कहा कि युवाओं ने सरकारों को झुकाना सीख लिया है।

प्रियंका के बयान पर हंगामा

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने प्रदर्शनकारी छात्रों पर हुए पुलिस लाठीचार्ज, आंसू गैस और वाटर कैनन के इस्तेमाल पर सरकार को घेरा।

उन्होंने सवाल किया - "क्या अपने हक के लिए आवाज उठाने वाले छात्र आतंकवादी हैं?" प्रियंका ने नए और पूर्व शिक्षा मंत्री पर तीखे आरोप भी लगाए। इस पर भाजपा सांसदों ने भारी विरोध किया और बयानों को प्रमाणित करने की मांग की। हंगामे के बाद प्रियंका गांधी के भाषण के कुछ विवादित हिस्सों को सदन की कार्यवाही से हटा दिया गया।

'Gen-Z' भाषा पर पलटवार

बहस के दौरान शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे ने विपक्ष पर निशाना साधने के लिए Gen-Z भाषा का इस्तेमाल किया। उन्होंने FOMO, MIA, Delulu जैसे शब्दों के जरिए कहा कि विपक्ष छात्रों के मुद्दे पर केवल अपनी राजनीतिक जमीन तलाश रहा है।

संसद परिसर में प्रदर्शन

चर्चा के साथ-साथ संसद परिसर में भी विरोध प्रदर्शन हुए।

- पप्पू यादव (पूर्णिया सांसद) माथे पर पट्टी बांधकर और हाथ में लाठी लेकर पहुंचे। उन्होंने जंतर-मंतर पर छात्रों पर बल प्रयोग का विरोध जताया।
- वहीं भाजपा नेताओं ने पंजाब के फरीदकोट में फार्मेसी परीक्षा नकल मामले को लेकर पंजाब सरकार के शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की।

रायपुर के तेलीबांधा ऑक्टोपस बार में भीषण आग, कई दुकानें और दोपहिया वाहन जलकर हुआ खाक

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के तेलीबांधा थाना क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध ऑक्टोपस बार में सोमवार देर रात भीषण आग लग गई। आग ने देखते ही देखते बार के साथ-साथ आसपास की दुकानों और खड़े वाहनों को भी अपनी चपेट में ले लिया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

घंटों की मशक्कत के बाद काबू पाया

सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। फायर विभाग की टीमों ने घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि कुछ स्थानों पर देर रात तक आग की लपटें उठती रहीं। आग की चपेट में आने से कई दोपहिया वाहन पूरी तरह जलकर खाक हो गए। बार के आसपास स्थित दुकानों में रखा सामान भी जलकर नष्ट हो गया।

नुकसान का आकलन जारी

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य का जायजा लिया। आग से हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार लाखों रुपये का नुकसान हुआ है।

आग लगने के कारणों की जांच शुरू

आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। पुलिस और फायर विभाग की टीमों ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और शॉर्ट सर्किट या अन्य कारणों की संभावनाओं की पड़ताल की जा रही है। फिलहाल इलाके में सुरक्षा के इंतजाम बढ़ा दिए गए हैं।

ब्रिगेडियर बीके पोनवार के निधन पर विस अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने जताया शोक, 'जंगल वॉरफेयर में उनका योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा'

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई के लिए समर्पित "काउंटर टेररिज्म एंड जंगल वॉरफेयर कॉलेज", कांकेर के प्रशिक्षक ब्रिगेडियर (आईजी) बी. के. पोनवार के देवलोकगमन का समाचार अत्यंत हृदयविदारक है। छग विस अध्यक्ष डॉक्टर रमन सिंह ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। डॉक्टर रमन ने कहा कि जंगल वॉरफेयर में हमारे जवानों को निपुण बनाकर सुरक्षा बलों को सशक्त करने में ब्रिगेडियर पोनवार का ऐतिहासिक योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा। उनका जाना प्रदेश और देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है। डॉ. रमन ने ईश्वर से पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने और शोकाकुल परिजनों व प्रशंसकों को यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को आधुनिक गुरिल्ला युद्ध की ट्रेनिंग देने में ब्रिगेडियर पोनवार की भूमिका को हमेशा याद किया जाएगा।

बंदूक की नोंक पर जमीन हड़पने वाला प्रॉपर्टी डीलर लाखन सिंह गिरफ्तार

मोहन नगर पुलिस ने किया गिरफ्तार, अवैध प्लाटिंग का भी आरोप

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

मोहन नगर पुलिस ने बंदूक की नोंक पर जमीन हड़पने और अवैध प्लाटिंग करने के आरोपी प्रॉपर्टी डीलर लाखन सिंह को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है। मालवीय नगर निवासी प्रविन्दर सिंह चाने ने मोहन नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी लाखन सिंह निवासी डिपरा पारा, पोटिया रोड ने उनकी कीमती जमीन को कम दामों में हड़पने के लिए उन्हें डराया-धमकाया।

शिकायत के अनुसार आरोपी ने अपने ऑफिस में बुलाकर लाइसेंसी बंदूक की नोंक पर जबरन दस्तखत करवाए। सरकारी मूल्य पर रजिस्ट्री कराकर बाजार मूल्य का पैसा बाद में देने की धमकी दी। प्रार्थी को कागजात पढ़ने का मौका तक नहीं दिया गया और न ही रजिस्ट्री की कॉपी दी गई। इसके बाद मैसेज और कॉल कर झूठे मामले में फंसाने की धमकी भी दी गई।

पुलिस के अनुसार आरोपी लाखन सिंह क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध प्लाटिंग के कारोबार से जुड़ा है। खसरा नंबरों में हेरफेर और फर्जीवाड़ा कर जमीनों को अपने व अन्य के नाम से बेचता है। खरीदारों को भी डरा-धमकाता रहता है।

प्रार्थी की शिकायत पर मोहन नगर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 296, 351(2) के तहत अपराध दर्ज किया था। त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने लाखन सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब मामले में जमीन की रजिस्ट्री, अवैध प्लाटिंग और अन्य संभावित पीड़ितों के संबंध में भी जांच कर रही है।

नंदिनी रोड चौड़ीकरण सहित विकास कार्यों को मिली स्वीकृति

महापौर परिषद की बैठक: 2.90 करोड़ से होगा एसी चौक से पावर हाउस चौक तक रोड सौंदर्यीकरण

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई के महापौर परिषद की बैठक मंगलवार को महापौर नीरज पाल की अध्यक्षता और निगम आयुक्त सुरूचि सिंह की उपस्थिति में आयोजित हुई। बैठक में शहर के विकास और नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं देने से जुड़े कई अहम प्रस्तावों पर चर्चा कर स्वीकृति दी गई।

नंदिनी रोड का होगा चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण: बैठक में मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के प्रथम चरण के तहत जोन क्रमांक 3 स्थित एसी चौक से पावर हाउस चौक तक नंदिनी रोड के चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण कार्य पर सहमति बनी। इस कार्य के लिए शासन से 2 करोड़ 90 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति मिल चुकी है। कार्य पूर्ण होने पर क्षेत्र की यातायात व्यवस्था बेहतर होगी और नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी।

स्ट्रीट लाइट और खेल सुविधाओं पर फोकस: शहर में प्रकाश व्यवस्था बेहतर बनाए रखने के लिए स्ट्रीट लाइटों के वार्षिक संचालन, संधारण और रखरखाव को मंजूरी दी गई। इस पर लगभग 1 करोड़ 99 लाख रुपये खर्च होंगे। नियमित संधारण से शहर के विभिन्न वार्डों में रात में बेहतर रोशनी मिल सकेगी।

वहीं जोन क्रमांक 5 के विभिन्न वार्डों में निगम द्वारा निर्मित खेल मैदान एवं कोर्ट के संचालन-संधारण पर भी चर्चा हुई। इसके साथ ही जोन 5 के वार्ड 60 में नवनिर्मित लाइब्रेरी एवं ऑक्सी रीडिंग जोन के संचालन के लिए रुचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित करने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति मिली। इससे विद्यार्थियों और युवाओं को पढ़ाई और खेल के लिए बेहतर माहौल मिलेगा।

खुर्सीपार इंडोर स्टेडियम और पदोन्नति पर निर्णय: बैठक में जोन 4 स्थित खुर्सीपार इंडोर स्टेडियम के प्रभावी संचालन के लिए आउटसोर्सिंग एजेंसी के माध्यम से सफाई, सुरक्षा और तकनीकी स्टाफ तैनात कर रखरखाव किए जाने की स्वीकृति दी गई। साथ ही निगम के उप अभियंता से सहायक अभियंता पद पर पदोन्नति से संबंधित प्रस्ताव पर भी नियमानुसार कार्रवाई की अनुशंसा सर्वसम्मति से की गई।

कोन रहे उपस्थित: बैठक में प्रभारी सदस्य सीजू एंथोनी, लक्ष्मीपति राजू, संदीप निरंकारी, एकांश बंछोर, आदित्य सिंह, केशव चौबे, चंद्रशेखर गंवई, लालचंद वर्मा, मन्नान गफ्फार खान, अपर आयुक्त राजेन्द्र कुमार दोहरे, उपायुक्त नरेन्द्र कुमार बंजारे, दिनेश कोसरिया, अधीक्षण अभियंता वेशराम सिन्हा सहित जोन आयुक्त और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जो बीत गया उसका जिक्र नहीं और जो कल होगा उसकी फिक्र नहीं-ब्रह्माकुमार पीयूष

आबू राज पर्वत,पानीपत,दिल्ली से आए ब्रह्माकुमारो ने तनाव मुक्त खुशनुमा जीवन जीने की बताई विधि

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा सेक्टर 7 स्थित पीस ऑडिटोरियम में साइंटिस्ट एंड इंजीनियर विंग के अध्यक्ष ब्रह्माकुमार मोहन सिंघल भाई, आबू राज पर्वत से छत्तीसगढ़ प्रवास पर आए आपने जीवन को तनावमुक्त खुशनुमा बनाने अपने अनुभवयुक्त विचार व्यक्त करते हुए बताया कि इधर-उधर देखते हो तो सर्व की कमी कमजोरी, अवगुण दिखाई देंगे इसलिए सामने एक परमात्मा देखे।

आपने पांच शब्दों क्यों, क्या, कैसे, कंहा,कब जैसे शब्दों से दूर रहने का आग्रह किया। परमात्मा को प्रतिदिन याद करने के सन्दर्भ में आपने कहा कि मनुष्य का स्वभाव है उसे नवीनता रचनात्मकता चाहिए सोमवार को परमात्मा शिव को पिता के रूप में याद करें। मंगलवार को मां बनाकर शीतल पालना में रहे, बुधवार को शिक्षक के रूप में शिक्षा ले, गुरुवार को सदुरु के रूप में वरदान प्राप्त करे शुक्रवार को सखा दोस्त के रूप

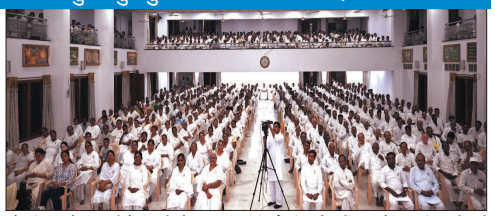

में हर बात परेशानी तनाव चिंता सुनाकर अर्पण करे।

शनिवार को परमात्मा को छोटा बच्चा बालक के रूप में याद करें। रविवार को जीवनसाथी, हमसफर बनाकर हर कदम में साथ देने वाले के रूप में प्रेम से याद करे। पानीपत से आए ब्रह्माकुमार भारत भूषण भाई ने कहा कि परमात्मा को घर का मालिक बनाएं, घर के दिवार अच्छी है लेकिन मंदिर की दीवारों में शक्तिशाली प्रकंपन होते हैं, आप सभी घर में परमात्मा को याद कर घर में शक्तिशाली वातावरण का निर्माण कर सकते हैं।

आपने क्रोधमुक्ति के लिए एक महीने का होमवर्क देते बताया की एंगर क्रोध को डेंजर न बनने दे टेंशन के आगे अ लगाकर हर बात में अटेंशन दे, शुभ विचारों,संकल्प से घर को स्वयं को परिवार को एंगर फ्री टेंशन फ्री जोन बनाकर स्माइलिंग जोन बनाएं।

नई दिल्ली से आए ब्रह्माकुमार पीयूष ने कहा कि दिन में छोटा बच्चा 400 बार मुस्कुराता है क्योंकि बच्चे वर्तमान में जीते हैं और हम सभी बड़े पास्ट और फ्यूचर की बातों को पकड़कर जीते हैं। आपने योगी जीवन की कठिनाई बताते हुए कहा कि मैं दुनिया में नहीं रहता लेकिन दुनिया की सारी बातें मेरे अंदर रहती है आपको योगी जीवन बनाना है व्यर्थ बातों से अंधा गूंगा बहरा बनना है।

जो बीत गया उसका जिक्र नहीं और जो कल होगा उसकी फिक्र नहीं। आपने सुंदर स्लोगन बताया कि ट्विंकल ट्विंकल लिटिल स्टार आत्मा ड्राइवर बॉडी ईज ए कार। देह की कर्मेन्द्रियों का उपयोग मालिक बनकर करना है,यह ही राजयोग मेडिटेशन की सरल विधि है। भिलाई सेवाकेंद्रों की निदेशिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी आशा दीदी जी ने सभी का आत्मिक तिलक और पुष्पगुच्छ द्वारा स्वागत किया।

आबू राज पर्वत से आए ब्रह्माकुमार मोहन भाई ने भिलाई ब्रह्माकुमारी भिलाई स्टील प्लांट के प्रति कहा कि जिसका स्टील आईएनएस विक्रांत और चंद्रयान में लगा, पीस ऑडिटोरियम में श्वेतवस्त्र धारी फरिश्तों की सभा को देखकर आपने आशा दीदी की महिमा करते हुए कहा कि उनकी आंतरिक शक्तिशाली स्थिति के कारण भिलाई की फुलवारी को देखकर अत्यंत प्रसन्नता खुशी हो रही है जिसकी रचना इतनी सुंदर वह कितना सुंदर होगा।

डिवाइन ग्रुप के बच्चों ने सुंदर स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का सुंदर मंच संचालन वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी प्राची दीदी ने किया।ब्रह्माकुमारी आशा दीदी जी ने तीनों उपस्थित भाइयों की विशेषता बताते हुए कहा कि आप वरिष्ठ भाई राजयोगिनी दादियों के सदा आज्ञाकारी होकर

खास खबर

स्वास्थ्य कर्मियों की कैशलेस चिकित्सा सुविधा में शामिल करें सभी अस्पतालों को, मांग

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कमचारी संघ ने विभागीय कर्मियों के लिए कैशलेस चिकित्सा में राज्य और राज्य के बाहर के सभी मान्यता प्राप्त निजी अस्पतालों को शामिल करने सहित हेल्प डेस्क बनाने की मांग है। संघ के प्रदेश महामंत्री सैय्यद असलम ने इस संबंध में बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के द्वारा घोषित राज्य के 5 लाख कर्मचारियों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने गत विधानसभा सत्र मे 100 करोड़ राशि प्रावधान किया गया है।

वहीं सचिव स्वास्थ्य अमित कटारिया ने इसके लिए राज्य नोडल एजेंसी के माध्यम प्रारूप बनाया है। अधिकारी/कर्मचारियों के लिए लागू की जाने वाली कैशलेस चिकित्सा में योजना के प्रारूप पर कर्मचारियों के संशोधन और सुझाव के लिए दिव्या वैष्णव अपर सचिव लोक स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा 29 जुलाई को मंत्रालय मे बैठक बुलाई गई है। महामंत्री सैय्यद असलम ने इस संबंध में संघ की ओर से महत्वपूर्ण सुझाव रखे हैं। जिसमें उन्होंने मांग रखी है कि किसी भी दशा में संबंधित अस्पताल राशि की मांग ना करें और इलाज पूर्णतया निशुल्क हो। कैशलेस चिकित्सा के अंतर्गत ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (एम्स) रायपुर में भी कर्मचारियों के निःशुल्क उपचार को भी शामिल किया जाए।

उन्होंने कहा कि हितग्राही के बीमार होने पर रेफर की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। किसी को हृदय संबंधी दिक्कत हो तो वो पहले जिला अस्पताल जाकर जांच करके रेफर करवाए ऐसी स्थिति ना हो। ऐसी ही अन्य बीमारियों में नियम बने। कैशलेस चिकित्सा के अंतर्गत कर्मचारियों में पत्नी और 25 वर्ष तक की उसकी संतान और माता पिता का इलाज निशुल्क किया जाए। उन्होंने संघ की ओर से कहा है कि किसी भी दशा में ऐसा न हो कि केवल पांच लाख तक उपचार होगा और इसके उपर खर्च पर कर्मचारियों को देना पड़ेगा। ऐसी स्थिति में कैशलेस चिकित्सा के निःशुल्क रखने का कोई मतलब नहीं होगा। कैशलेस में कर्मचारियों से कोई प्रीमियम राशि वेतन से वसूली जैसे बाध्यता न हो।

छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने प्रांत अध्यक्ष अनिल पांडेय ने कहा कि इस योजना के लिए राज्य सरकार बडा पैकेज घोषित करे। वर्तमान में यह 100 करोड़ है तो भविष्य में 200 करोड़ करना चाहिए। अस्पताल में भर्ती उपरांत कर्मचारियों को और परिजनों को अनावश्यक कागजी काम के लिए भटकना नहीं पड़े, इसका भी ध्यान रखा जाना चाहिए। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि इसी तरह से अन्य कर्मचारी संगठनों द्वारा भी सुझाव दिया जाएगा, जिससे सरकार की योजना कर्मचारी हित में हो।

गुरु पूर्णिमा पर साई मंदिर में होगा भव्य धार्मिक आयोजन, दिनभर गूंजेंगे साई भजन

दुर्ग। सिविल लाइन कसारीडीह स्थित प्रसिद्ध श्री साई बाबा मंदिर में 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए मंदिर समिति द्वारा व्यापक तैयारियां की गई हैं। मंदिर परिसर को आकर्षक विद्युत सज्जा से सजाया गया है, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। मंदिर समिति के अध्यक्ष धनेंद्र कांत चंदेल एवं सचिव धीरेंद्र शर्मा ने संयुक्त रूप से बताया कि गुरु पूर्णिमा महोत्सव का शुभारंभ प्रातः 7 बजे श्री साई बाबा के महाभिषेक, आरती एवं हवन-पूजन किया गया। इसके पश्चात श्रद्धालुओं को महाप्रसादी का वितरण किया गया। यह समस्त धार्मिक अनुष्ठान मंदिर के मुख्य पुजारी कैलाशचंद्र तिवारी के सानिध्य में संपन्न हुआ।

उन्होंने बताया कि दोपहर से देर रात तक मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल में साई भजनों से गुंजायमान रहेगा। दोपहर 3 बजे साई महिला भजन मंडली कसारीडीह द्वारा भजनों की संगीतमय प्रस्तुति दी जाएगी। वहीं सायं 7 बजे श्री साई बाबा की आरती उपरांत भव्य साई भजन संध्या का आयोजन होगा, जिसमें गायक कलाकार साई भजनों के साथ अन्य मनमोहक भक्तिमय प्रस्तुतियां देंगे। मंदिर समिति के अध्यक्ष धनेंद्र कांत चंदेल एवं सचिव धीरेंद्र शर्मा ने श्रद्धालुओं से गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों में सपरिवार शामिल होकर बाबा का आशीर्वाद एवं पुण्य लाभ प्राप्त करने की अपील की है।

रिसाली को हरा भरा करने महापौर शशि सिन्हा ने पौधरोपण कर की शुरूआत

अलग-अलग वार्डों में 1600 से अधिक पौधों का किया रोपण

नई दृष्टिबिंदु / रिसाली-भिलाई

रिसाली। रिसाली महापौर शशि सिन्हा अपने वार्ड क्षेत्र में आने वाले देहली पब्लिक स्कूल रिसाली पहुंची। उन्होंने रिसाली निगम क्षेत्र के अलग-अलग वार्डों में किए जाने वाले पौध रोपण की शुरूआत डीपीएस से की। वहां उन्होंने 20 से भी ज्यादा फलदार और छायादार पौध का रोपण की।

महापौर शशि सिन्हा ने इस दौरान पौध रोपण कार्यक्रम में शामिल बच्चों को पर्यावरण को स्वस्थ रखने की बात कहते हुए घरों के आस पास खाली जगहों पर पौध रोपण करने कहा। उन्होंने स्कूल परिसर में रोपे गए पौधों की देखभाल करने की जिम्मेदारी भी स्कूली बच्चों को दी। स्कूल परिसर में वाइस प्रिंसिपल ने भी पौध रोपण किया। महापौर ने बताया कि पूरे रिसाली निगम क्षेत्र के अलग-अलग वाडी में पौध रोपण किया जा रहा है। निगम के अधिकारी व वार्ड पार्षद प्रत्येक दिन पौध रोपण करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि इसके लिए सेड्युल तैयार किया गया और लगभग 1600 पौध रोपण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

सघन पौध रोपण करने तैयार कार्यक्रम के तहत महापौर के अलावा अन्य पार्षदों ने भी पौध रोपण किया। तालपुरी की पार्षद सविता द्ववस बी ब्लॉक के बैडमिंटन कोर्ट, वार्ड 03 की पार्षद सारिका साहू ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला परिसर और वार्ड 05 माया यादव ने पौध रोपण किया।

विधायकचंद्राकर ने डॉ. खूबचंद बघेल की 126वीं जयंती पर किया प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

मंगल भवन, उतई में छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज, पाटन राज द्वारा महान स्वतंत्रता सेनानी डॉ. खूबचंद बघेल जी की 126वीं जयंती समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर शामिल हुए।

विधायक ललित चंद्राकर ने डॉ. खूबचंद बघेल के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके द्वारा किए गए कार्यों को याद किया और समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर उद्बोधन देते हुए ललित चंद्राकर ने कहा कि "महान स्वतंत्रता सेनानी डॉ. खूबचंद बघेल का जीवन समाज के उत्थान, शिक्षा, स्वाभिमान, किसान हितों और छत्तीसगढ़ की अस्मिता के लिए समर्पित था। उन्होंने छत्तीसगढ़ को एक अलग पहचान दिलाने के लिए संघर्ष किया। उनके विचार और आदर्श आज भी हमें समाज सेवा, राष्ट्र निर्माण एवं नई पीढ़ी को शिक्षा व संस्कारों से सशक्त बनाने की प्रेरणा देते हैं।"आगे उन्होंने कहा "समाज के प्रतिभावान बच्चों का सम्मान केवल उनकी उपलब्धियों का अभिनंदन नहीं है, यह आने वाली पीढ़ियों को उत्कृष्टता की ओर अग्रसर होने के लिए प्रेरित करने का सशक्त माध्यम है। डॉ. खूबचंद बघेल ने शिक्षा को सबसे बड़ा हथियार माना था। आज हम सभी का दायित्व है कि उनके बताए मार्ग पर चलकर बच्चों को उच्च शिक्षा और अच्छे संस्कार दें।"

कार्यक्रम में समाज के पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सभी ने डॉ. खूबचंद बघेल के विचारों को आत्मसात कर समाज और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का संकल्प लिया।

भाजपा ओबीसी मोर्चा का संभाग स्तरीय प्रबुद्ध जन सम्मान व कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन

विकसित भारत-2047 के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान, प्रबुद्ध जनों का हुआ सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा द्वारा सोमवार को दुर्ग के बायपास रोड स्थित चौहान इंपीरियल में संभाग स्तरीय प्रबुद्ध जन सम्मान एवं कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में संगठन विस्तार, विकसित भारत-2047 के लक्ष्य तथा ओबीसी समाज की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में पिछड़ा वर्ग से जुड़े प्रबुद्ध जनों का शाल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मान भी किया गया।

सम्मेलन के मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अशोक साहू ने की। विशेष अतिथियों में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, कैबिनेट मंत्री ओपी चौधरी एवं गजेंद्र यादव, भाजपा संभाग प्रभारी एवं प्रदेश उपाध्यक्ष जगन्नाथ पाणिग्रही, विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, ललित चंद्राकर, रिकेश सेन, ईश्वर साहू, दीपेश साहू, ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चंदूलाल साहू, खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष राकेश पांडेय, भाजपा जिला संगठन प्रभारी रामजी भारती, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पांडेय, पूर्व मंत्री रमशीला साहू, महापौर अलका बाघमार, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य चंद्रिका चंद्राकर, कोमल जंघेल, तेलघानी बोर्ड अध्यक्ष जितेंद्र साहू, साहू समाज के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नरेंद्र साहू, कलार समाज के प्रदेश अध्यक्ष युवराज सिन्हा, ओबीसी मोर्चा के प्रदेश महामंत्री उपकार चंद्राकर, उपाध्यक्ष तुलसी साहू, कोषाध्यक्ष कन्हैया सोनी, जिला अध्यक्ष दिनेश देवांगन एवं तेखन सिन्हा सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुख्य वक्ता पवन साय ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्र निर्माण के संकल्प से जुड़ा हुआ है और ओबीसी मोर्चा संगठन को मजबूत करने की महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने कहा कि समाज के बीच सक्रिय रहकर

विकसित भारत-2047 के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना सभी कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है। उन्होंने आगामी संत शिरोमणि रविदास महाराज की 650वीं जयंती तथा तिरंगा यात्रा जैसे कार्यक्रमों को संगठन के निर्देशानुसार सफल बनाने का आह्वान किया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि पिछड़ा वर्ग देश की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रगति का मजबूत आधार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ओबीसी समाज को सम्मान, अवसर और भागीदारी देने का कार्य लगातार किया जा रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकार की योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने और समाज में सकारात्मक वातावरण बनाने का आग्रह किया। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि ओबीसी वर्ग प्रदेश की राजनीतिक दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से गांव-गांव और वार्ड-वार्ड तक पहुंचकर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाने तथा भाजपा के पक्ष में सकारात्मक माहौल बनाने का आह्वान किया।

कैबिनेट मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि विकसित भारत-2047 का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब समाज का हर वर्ग विकास की मुख्यधारा से जुड़े। उन्होंने युवाओं से शिक्षा, कौशल, उद्यमिता और आधुनिक तकनीक को अपनाकर आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देने की अपील की। ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अशोक साहू ने कहा कि ओबीसी समाज की एकता, जागरूकता और संगठनात्मक शक्ति ही उसकी सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सेवा, संपर्क और समर्पण के माध्यम से समाज में व्यापक जनजागरण अभियान चलाने का आह्वान किया।

आज आदमी खुद को स्मार्ट और भगवान को भोला समझ रहा है : आचार्य डॉ. अजय आर्य

आर्य समाज मंदिर में सत्संग : बहानों से नहीं, पुरुषार्थ से ही बनता है महान जीवन, श्रावण मास में 30 दिनों तक चलेगा नि:शुल्क वैदिक पारिवारिक यज्ञ एवं सत्संग अभियान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

आर्य समाज मंदिर, सेक्टर 6, भिलाई में आज वैदिक सत्संग एवं पारिवारिक महायज्ञ का आयोजन श्रद्धा, उत्साह और आध्यात्मिक वातावरण में सम्पन्न हुआ। महायज्ञ का संचालन नंदलाल आर्य ने किया। वैदिक मंत्रों का वाचन प्रमिला सरकार ने किया। कार्यक्रम का संयोजन रवि आर्य ने किया तथा मुख्य यजमान के रूप में सुदर्शन गुप्ता उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता आचार्य डॉ. अजय आर्य ने अपने ओजस्वी, रोचक एवं हास्यपूर्ण व्याख्यान में कहा कि आज मनुष्य का सबसे बड़ा संकट संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि सकारात्मक सोच की कमी है। जीवन को बहानों के सहारे नहीं, पुरुषार्थ के सहारे जीना चाहिए। जो व्यक्ति हर समय अपनी परेशानियों का रोना रोता रहता है, वह स्वयं भी दुखी रहता है और अपने आसपास का वातावरण भी दुखमय बना देता है।

उन्होंने कहा, "यदि बीमारी है तो उसका उपचार

कराइए। यदि कोई कष्ट है तो उसे दूर करने का प्रयास कीजिए। लेकिन चौबीसों घंटे अपनी बीमारी और समस्याओं की चर्चा मत कीजिए। आपका व्यक्तित्व ऐसा होना चाहिए कि आपके पास बैठकर लोगों को सुख, शांति और आनंद का अनुभव हो। दुख बाँटने से पहले मुस्कान बाँटना सीखिए।"

स्वामी विवेकानन्द के विचारों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, "स्वामी विवेकानन्द ने कहा था कि निर्बल शरीर से आत्मा की प्राप्ति नहीं हो सकती। मैं इसमें एक बात और जोड़ना चाहता हूँ कि दुखी मन वाला व्यक्ति भी परमात्मा के आनंद का अनुभव नहीं कर सकता। स्वस्थ शरीर, प्रसन्न मन और सकारात्मक विचार ही आध्यात्मिक जीवन की वास्तविक आधारशिला हैं।"

प्रवचन के दौरान उन्होंने एक अत्यंत रोचक प्रसंग सुनाया। एक व्यक्ति नदी में डूब रहा था। उसने घबराकर भगवान से प्रार्थना की, "हे प्रभु! यदि मेरी जान बच गई तो मैं अपना बंगला दान कर दूँगा।" संयोग से वह बच गया। अब उसे अपनी प्रतिज्ञा याद आई तो वह परेशान हो गया।

अगले दिन उसने अपने बंगले की नीलामी रखी। विज्ञापन में लिखा—"बंगला 1 का और बिल्ली 1 करोड़ की। दोनों साथ ही बिकेंगे। कुल कीमत 1 करोड़ 1 रुपए।" लोगों ने कहा, "भाई, शायद गलती हो गई है। बंगला 1 करोड़ का होना चाहिए और बिल्ली 1 की।" वह मुस्कुराकर बोला, "नहीं, मैंने बिल्कुल सही लिखा है।" आखिरकार एक व्यक्ति ने बंगला और बिल्ली दोनों खरीद लिए। उस व्यक्ति ने भगवान से किया हुआ वचन निभाने के नाम पर 1 दान कर दिया और 1 करोड़ अपने पास रख लिया।

इस प्रसंग पर उपस्थित लोगों के बीच ठहाके गूँज उठे। तब आचार्य डॉ. अजय आर्य ने गंभीर होते हुए कहा, "आज आदमी खुद को बहुत स्मार्ट और भगवान को भोला समझ रहा है। इंसानों से चालाकी करना अलग बात है, लेकिन परमात्मा से कोई चालाकी नहीं चलती। भगवान हमारे शब्द नहीं, हमारे मन का भाव और हमारी नीयत देखते हैं।" उन्होंने कहा, "स्मार्टफोन हाथ में आ जाने से कोई स्मार्ट नहीं बन जाता। सच्ची बुद्धिमानी ईमानदारी, सत्य और कर्तव्य पालन में है। भगवान को धोखा देने की कोशिश करने वाला व्यक्ति वास्तव में स्वयं को ही धोखा देता है।"

उन्होंने आगे कहा कि कुछ लोग जब भी मिलते हैं तो अपनी बीमारियों की पूरी सूची सुनाने लगते हैं। ऐसा लगता है जैसे डॉक्टर के क्लीनिक में बैठ गए हों। जीवन में समस्याएँ सबके पास होती हैं, लेकिन महान वही बनता है जिसके पास बैठकर लोगों को आशा, प्रेरणा और प्रसन्नता का अनुभव हो।

उन्होंने कहा, "आपका जीवन विराट तभी बनेगा जब आपके पास रहकर लोगों को सुख महसूस हो। आपकी वाणी से उत्साह मिले, आपका व्यवहार विश्वास जगाए और आपका व्यक्तित्व लोगों के जीवन में प्रकाश भर दे।"

इस अवसर पर घोषणा की गई कि श्रावण मास में लगातार 30 दिनों तक निःशुल्क वैदिक पारिवारिक यज्ञ एवं वैदिक सत्संग का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम प्रतिदिन सायं 5 बजे से 7 बजे तक आयोजित होगा। लगभग डेढ़ से दो घंटे के इस आयोजन में प्रत्येक परिवार को वैदिक यज्ञ, योग, संस्कार, सकारात्मक जीवन-दर्शन तथा भारतीय संस्कृति के व्यावहारिक मूल्यों से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

इस अभियान के मुख्य संयोजक रवि आर्य बनाए गए हैं। अवनी भूषण पुरंग ने सभी परिवारों से इस वैदिक अभियान में सहभागिता करने तथा इसे जन-जन तक पहुँचाने की अपील की। आचार्य डॉ. अजय आर्य ने बताया कि यह सम्पूर्ण कार्यक्रम

"साहित्य सृजन संस्थान की 47 वीं काव्य संध्या में कवियों ने सामाजिक मुद्दों से वृंदावन हॉल को महकाया "

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर साहित्य सृजन संस्थान परिवार की 47 वीं मासिक काव्य संध्या का सफल आयोजन वृंदावन हॉल रायपुर में हुआ। कार्यक्रम में 9 वर्षीय नन्ही कुहुक अग्रवाल की महाभारत के प्रसंग पर रोचक प्रस्तुति प्रस्तुत कर श्रोताओं की तालियां बटोरी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. संजय अलंग द्वारा पेट क्यों निकलता है के ऐतिहासिक कारणों की जानकारी दी वहीं विशिष्ठ अतिथि डॉ, शिलिका लालवानी ILS हॉस्पिटल द्वारा मधुमेह, थायरॉइड एवं मोटापे जैसे बीमारी पर जानकारी देते हुए उपस्थित लोगों के प्रश्नों के उत्तर दिया। कोरबा से पहुंची विशिष्ठ अतिथि अनुसुईया श्रीवास द्वारा काव्य पाठ कर सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया शशि सुरेंद्र दुबे एवं महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष ममता खरे मधु ने भी अपनी रचना का पाठ किया। काब्य संध्या में 60 कवियों ने काव्य पाठ किया वृंदावन हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा। कार्यक्रम का संचालन उमेश कुमार सोनी नयन द्वारा किया गया।

संस्था के अध्यक्ष वीर अजीत शर्मा उपरोक्त जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 23 अगस्त को संस्था द्वारा वृंदावन हॉल में सुबह 10 बजे से अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया है। जिसमें राष्ट्रीय कवियों का काव्य पाठ होगा। रायपुर शहर के लगे गांव नकटी की दर्द भी कवि रमेश तिवारी के कविता में दिखा उन्होंने गांव की दर्द को अपने कविता से कुछ इस तरह प्रस्तुत किए।

नकटी गांव के घर की बच्ची पूँछ रही हे ! मईया कहां रहे गौरैया मईया कहां रहे गौरैया ? –कवि रमेश तिवारी

" वरिष्ठ साहित्यकारों ने समाज को कविता के माध्यम से दिए नव जागरण के संदेश "–वरिष्ठ पत्रकार लक्ष्मीनारायण लहरे

नकटी गांव के घर की बच्ची पूँछ रही हे ! मईया। कहां रहे गौरैया ?मईया कहां रहे गौरैया ? संवेदना अगर जीवन में नहीं तुम्हारे आई। व्यर्थ की डिग्री ली है हमने,काम की नहीं पढ़ाई।संवेदना और करुणा का पाठ पढ़े हम भईया।

कहां रहे गौरैया मईया ?कहां रहे गौरैया ? कालगिल युद्ध और से लेकर समाज को नव प्रेरणा से लेकर नव जागरण तक अपनी कविता के माध्यम से साहित्यकारों ने अपनी कविताएं सुनाए और समाज को संदेश दिए ।

कवियों ने प्रमुखता से अपनी कविता पाठ किए जिसमें प्रमुख रूप से

प्रेम सभी का लेकर यारा
आगे कदम बढ़ाता चल। क्या तेरा क्या मेरा करता
गिरवी हर सामान रखा, दो सांसों के बीच में देखो
जीवन का मेहमान फंसा,

अपर्णा सिंह

भावनाएँ शब्दों की मोहताज नहीं होती
मौन की भाषा में ही छिपी,
प्रेम की परिभाषा होती है।
आँखों का पानी कह देता है,
जो होंठ कभी बोल न पाए।
काँपते हाथ थाम लेना,
हजार लफ़्ज़ों पर भारी जाए।

मंजू सरावगी मंजरी रायपुर

देश की सुरक्षा में जो खड़े हैं सरहदों पर ऐसे देशभक्त बेटों को प्रणाम है।
प्राणों की बाजी लगाकर लड़े जो सरहदों पर ऐसे वीर जवानों को प्रणाम है

महेन्द्र कुमार बेजुबाँ

बेतुको की तुकबंदी का
यहां बड़ा ही मान है
कलम की धार यहां चूक रही है
हम अचूकधार के तलबगार हैं

विवेक कुमार रहाटगांवकर

तेरी खामोश आंखो में मेरा हर दर्द पलता है,
मेरा दिल होके बेकाबू न जाने क्यों मचलता है।
वो हर वादे सभी कसमे निभाना चाहते थे पर,
जमाने की लगी नजरें हुये जज़्बात फिर बेघर।
वो सूनी राह चलकर के कहां मंजर बदलता है।
तेरी खामोशसस।

ममता खरे 'मधु'

वाह रे मानव तेरी लीला
अच्छा भ्रम तूने फैलाया
खुद का दोष मुझ पर लगाया
और कहते हो अल–नीनो आया।

डॉ. सुनीता पवार

रग रग से है प्यार झलकता
पर आँखों में पानी है।
विश्व धरा की सबसे सुंदर ,
सृष्टि वो तो नारी है ।

मंजू जैन

कालचक्र का पहिया घूमें,
ना थकें,ना रुकें,ना किसी से पूछे।
अधंकार में जो विलयित था,
आज वह उषा बन प्रफुल्लित हुआ।
पतझड़ में जो था सूखा पेड़,
बसंत बयार में वही लहराया।
युग काआना जाना भी आवर्तन,
इतिहास स्वयं को दुहराता।

श्रीमती कल्याणी तिवारी "कोकि"

कारगिल युद्ध कोई आम युद्ध नहीं था ।26 जुलाई 1999 में भारत माँ के वीर सपूतों ने बर्फीली चोटियों पर तिरंगा फहराकर दुनिया को बता दिया था कि, भारतीय सेना का हौसला हिमालय से भी ऊँचा है।

रूनाली चक्रवर्ती

मैं हँसता हूँ कि हँसने के लिये पैसे नहीं लगते,
वो रोते है मगर रोने के भी जैसे नहीं लगते ।

उमेश कुमार सोनी 'नयन,

खाये निया कई महीना ले, चिला के रोटी।
सुन्ना हावय कई बछर ले, अम्मा के गोदी।
तन मन से देथे पहरा, देश के रखवाला।
हटे नही कभू पाछु, ये तोर घर वाला।
ककरो पैगाम आथे ओ गोरी.. बॉडर पार म।
तोर सुरता आथे ओ गोरी बॉडर पार म।

वीरेन्द्र घृतलहरे

कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि

नमन शहीदों को करें, किए प्राण बलिदान।
कोटि–कोटि मस्तक झुके, कर उनका सम्मान।।
लहू शहीदों का बना, दुश्मन पर भूचाल।
सिंह गर्जना कर चले, भारत माँ के लाल।।

सुषमा प्रेम पटेल

शून्य पुत्र दशमलव
शिव मां के अवगुंजन से एक चितेरा जन्म लिया
शिव ने मैय्या से पूछा
ये नन्हा सा कौन प्रिये
सौर बुनेगा बोल शिवानी
ये अपना पहला तारा
सोच समझ कर रखना भवानी विश्व दशमलव पायेगा

डॉक्टर चंद जैन"अंकुर "

चलती वर्षा ऋतु की हवा,
चारों दिशाओं ओर,
पवन चले ले नमी,
घटा उठे घनघोर,

वंदना ठाकुर बिलासपुर

कवियों की कविताओं से वृंदावन हॉल गुंजायमान रहा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थिति रही किशोर लालवानी, एच एस ठाकुर, मन्नूलाल यदु,मयूराक्षी मिश्रा, डॉ सिद्धार्थ श्रीवास्तव, बंसी लाल जैन, सरोज सप्रे, भीम कुमार साहू, सुरेश कुमार शर्मा, हबीब खान समर,उत्तम देवहरे, शिवपुरी, अंजु पाण्डेय, कु. आराध्या शर्मा, बलराम राठौर कोरबा, दुर्गा श्रीवास, सुनीता राठौर कोरबा, शैलेन्द्र कुमार संघी, निरंजन सिंह यादव,रविंद्र सिंह यादव, अनिता झा, कर्नल डॉ चारु दीवान, डॉ. ओ पी सोनी, चेतन भारती, सूरज सोनी, संजय खरे,विष्णु अग्रवाल, अशोक खरे, राकेश अग्रवाल, शिव शंकर गुप्ता, के के पाठक, छबिलाल सोनी, जितेंद्र पांचाल, शशि शर्मा अनामिका, आर पद्मावती श्रीनिवास राव, राममूरत शुक्ला, अशोक खरियार, शांतिलाल बरडिया, अजय सोनी, किरणलता वैद्य, श्रीराम अग्रवाल, मणि मूर्ति अग्रवाल, यशवंत यदु, ने उपस्थिति होकर काव्य पाठ का आनंद लिया।

खास खबर

भारत में आएंगे प्लास्टिक के नोट !, 10 और 20 रुपये के पॉलीमर नोट्स के ट्रायल को मोदी सरकार ने दी मंजूरी

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

पुराने नोट चलते रहेंगे, जालसाजी रोकने के लिए 'पारदर्शी खिड़की' वाला फीचर

देश में जल्द ही प्लास्टिक यानी पॉलीमर से बने करेंसी नोट देखने को मिल सकते हैं। केंद्र सरकार ने संसद में बताया है कि भारतीय रिजर्व बैंक RBI को 10 और 20 रुपये के पॉलीमर बैंक नोट्स का फील्ड ट्रायल शुरू करने की अनुमति दे दी गई है।

क्या बंद हो जाएंगे पुराने नोट ? : सरकार ने साफ किया है कि यह केवल एक प्रायोगिक कदम है। 10 और 20 रुपये के मौजूदा कॉटन फाइबर वाले नोट पूरी तरह वैध रहेंगे और बाजार में चलते रहेंगे। फिलहाल नोटबंदी जैसा कोई फैसला नहीं लिया गया है। ट्रायल सफल रहने और जनता से बेहतर फीडबैक मिलने पर ही इसे नियमित रूप से जारी करने पर विचार होगा।

साधारण प्लास्टिक नहीं, होगा खास पॉलीमर सबस्ट्रेट : नए नोट किसी सामान्य प्लास्टिक से नहीं बनेंगे। इन्हें विशेष रूप से तैयार 'पॉलीमर सबस्ट्रेट' पर छापा जाएगा। इसकी खासियतें:

1. ज्यादा टिकाऊः नमी, धूप और बार–बार मोड़ने पर भी आसानी से फटेंगे नहीं।
2. लंबी उम्रः 10 और 20 के नोट रोजाना कई हाथों से गुजरते हैं और जल्दी गंदे–घिस जाते हैं। पॉलीमर नोट ज्यादा समय तक चलते हैं।

'पारदर्शी खिड़की' से रुकेगी नकली नोटों की समस्या : जालसाजी रोकने के लिए पॉलीमर नोट्स में एडवांस्ड सिक्योरिटी फीचर्स दिए जाएंगे। सबसे खास होगा ट्रांसपेरेंट विंडो – नोट के बीच में एक छोटा पारदर्शी हिस्सा, जिसके आर–पार देखा जा सकेगा। इसे किसी साधारण प्रिंटर या फोटोकॉपी मशीन से कॉपी करना लगभग नामुमकिन होगा। नोट बनाते समय ही इस विंडो में माइक्रो–डिजाइन और होलोग्राम भी शामिल किए जाएंगे।

पहले भी हुआ था प्रयास : भारत ने पहली बार 2012 में कुछ चुनिंदा शहरों में 10 रुपये के पॉलीमर नोट का ट्रायल करने की योजना बनाई थी। अब RBI की करेंसी प्रिंटिंग यूनिट्स ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसका रॉ–मटीरियल यानी सबस्ट्रेट हासिल करने की प्रक्रिया फिर से शुरू कर दी है।

दुनिया के कई देश कर चुके हैं इस्तेमाल : ऑस्ट्रेलिया ने 1988 में दुनिया का पहला पॉलीमर नोट जारी किया था। इसके बाद कनाडा, न्यूजीलैंड, सिंगापुर, वियतनाम, रोमानिया और ब्रिटेन जैसे देशों में भी पॉलीमर करेंसी प्रचलन में है।

अमलीडीह–गिधवा सड़क निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों का प्रदर्शन

कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, 7 दिन का दिया अल्टीमेटम

राजनांदगांव। जिले के अमलीडीह–गिधवा (टप्पा) क्षेत्र के सैकड़ों ग्रामीण मंगलवार को जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। जर्जर सड़क के कारण हो रही परेशानियों को लेकर उन्होंने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर तत्काल निर्माण कार्य शुरू करने की मांग की। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि 7 दिन के भीतर काम शुरू नहीं हुआ तो वे विधायक कार्यालय और PWD कार्यालय का घेराव करेंगे।

कीचड़–जलभराव से बेहाल ग्रामीण : ज्ञापन में ग्रामीणों ने बताया कि ग्रामीण मार्ग क्रमांक 220 अमलीडीह–गिधवा सड़क लंबे समय से जर्जर है। बरसात में कीचड़ और जलभराव के कारण आवागमन पूरी तरह ठप हो जाता है।

इससे होने वाली परेशानियां: छात्र–छात्राएंः स्कूल आने–जाने में भारी दिक्कत। किसानः कृषि उपज का परिवहन नहीं हो पा रहा। मरीजः एम्बुलेंस तक गांव नहीं पहुंच पाती, आपातकाल में परेशानी। ग्रामीणों ने कहा कि वे कई वर्षों से मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं हुआ। सड़क जैसी मूलभूत सुविधा हर नागरिक का अधिकार है।

4.97 लाख का प्राक्कलन तैयार, फिर भी काम नहीं : ग्रामीणों ने बताया कि PWD उप–संभाग डोंगरगढ़ द्वारा इस मार्ग के लिए 4.97 लाख रुपये का प्राक्कलन तैयार किया जा चुका है। इसमें किमी 2/2 और 2/6 में HPC पुलिया निर्माण शामिल है। अनुविभागीय अधिकारी द्वारा विशेष मरम्मत मद के तहत प्रशासनिक स्वीकृति की संस्तुति भी भेजी गई है। इसके बावजूद धरातल पर काम शुरू न होना प्रशासनिक लापरवाही है।

आंदोलन की चेतावनी : ग्रामीणों ने स्पष्ट कहा कि यदि आगामी 7 दिवस में निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ तो सभी ग्रामीण लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से स्थानीय विधायक कार्यालय और PWD कार्यालय का घेराव करेंगे। आंदोलन की पूरी जिम्मेदारी प्रशासन और संबंधित विभाग की होगी।

इस आंदोलन को भारतीय किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवशंकर सिंह और फॉरवर्ड डेमोक्रेटिक लेबर पार्टी का समर्थन मिला है। ज्ञापन पर काजल कंवर, ईमन कंवर, मूलचंद ध्रुव, भारती कंवर, भुवन साहु (पंच), धनंजय सहित सैकड़ों ग्रामीणों के हस्ताक्षर हैं। ग्रामीणों ने कलेक्टर से तत्काल सर्वेक्षण कराकर गुणवत्तापूर्ण निर्माण और समय–सीमा तय करने की मांग की है।

सुघर गांव अखबार ने मनाया 14वां स्थापना दिवस

प्रदेश स्तरीय पत्रकार सम्मान समारोह में पत्रकार सम्मानित

हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष की गौरव यात्रा पर भी हुई चर्चा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के महादेव घाट, रायपुरा माधवराव सप्रे वार्ड से प्रकाशित दैनिक सुघर गांव समाचार पत्र ने अपना 14वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद आरंग के सद्भावना भवन में प्रदेश स्तरीय पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें प्रदेश भर से पहुंचे 100 पत्रकारों को सम्मान पत्र और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

सरस्वती वंदना और केक कटिंग से हुई शुरुआत : कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती और छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा–अर्चना के साथ हुआ। संपादक श्रवण कुमार और उपस्थित पत्रकारों की संयुक्त सहभागिता से दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। इसके बाद 14वें स्थापना दिवस पर केक काटकर सभी का मुंह मीठा कराया गया। आयोजकों ने दूर–दराज से पहुंचे पत्रकारों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पर विशेष चर्चा : इस अवसर पर हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने की गौरव यात्रा को भी शामिल किया गया। संपादक श्रवण कुमार ने पत्रकारिता के क्षेत्र में आज तक की उपलब्धियों और चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सुघर गांव अखबार ने 14 वर्षों में जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाकर आम जनता की आवाज बनने का काम किया है।

वरिष्ठ पत्रकारों ने रखे विचार : कार्यक्रम में प्रमोद कुमार बंजारे, प्रदेशाध्यक्ष सर्व पत्रकार एकता महासंघ छत्तीसगढ़ ने पत्रकार सम्मान और पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए संगठन की भूमिका पर सारगर्भित बातें रखीं।

श्रीमती रजनी मानिकपुरी, सचिव प्रखर पत्रकार संघ संभाग बिलासपुर ने नारी शक्ति का प्रतिनिधित्व करते हुए पत्रकारिता में महिलाओं की भूमिका, पत्रकारों की जिम्मेदारी और क्षेत्र की चुनौतियों पर ध्यान आकर्षित किया। आरंग क्षेत्र से युवा पत्रकार सूरज कुमार बंजारे, संपादक रूरल स्पॉट लाइट न्यूज ने स्थानीय पत्रकारिता और पत्रकारों के हितों पर अपने विचार रखे।

परिचय सम्मेलन और अनुभव साझा : कार्यक्रम में उपस्थित पत्रकारों का परिचय सम्मेलन भी हुआ। सभी पत्रकारों ने अपना परिचय देने के साथ पत्रकारिता में अपने अनुभव साझा किए। तेज बारिश के बावजूद प्रदेश के विभिन्न दूरस्थ स्थानों से पत्रकारों की गरिमामय उपस्थिति देखी गई।

कार्यक्रम का मंच संचालन मोतीलाल बंजारे, सुघर गांव जिला ब्यूरो बलौदाबाजार ने किया। अंत में सभी उपस्थित पत्रकारों को सम्मान पत्र और मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। आरंग विधानसभा क्षेत्र में पहली बार आयोजित इस प्रदेश स्तरीय सम्मान समारोह में पत्रकारों में भारी उत्साह देखने को मिला।

भिलाई में यातायात सुगम बनाने निगम की नई पहल, प्रमुख चौक–चौराहों पर बनेगा लेफ्ट फ्री

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई ने शहर में बढ़ते यातायात दबाव को कम करने और नागरिकों को राहत देने के लिए लेफ्ट फ्री व्यवस्था शुरू करने की पहल की है। इसके तहत शहर के व्यस्त चौक–चौराहों पर बाएं मुड़ने वाले वाहनों के लिए अलग मार्ग बनाया जाएगा, जिससे सिग्नल पर रुकने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

निगम द्वारा चंद्रा मौर्या चौक, घड़ी चौक, नेहरू नगर चौक, सूर्या मॉल चौक सहित अन्य प्रमुख और व्यस्त स्थानों को चिन्हित किया गया है। इन जगहों पर दिनभर वाहनों का अधिक आवागमन रहता है और अक्सर जाम की स्थिति बनती है। यह कार्य नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के तहत किया जा रहा है।

क्या होंगे फायदे : निगम अधिकारियों के अनुसार लेफ्ट फ्री व्यवस्था से होने वाले प्रमुख लाभः

1. जाम में कमीः चौराहों पर वाहनों के अनावश्यक रुकने से लगने वाले जाम में कमी आएगी।
2. समय की बचतः वाहन चालकों को सिग्नल पर रुकना नहीं पड़ेगा, जिससे आवागमन सुगम होगा।
3. ईंधन की बचतः बार–बार रुकने–चलने से होने वाली अतिरिक्त ईंधन खपत कम होगी।
4. दुर्घटनाओं में कमीः यातायात का प्रवाह सुचारू होने से सड़क दुर्घटनाओं की संभावना घटेगी।
5. प्रदूषण नियंत्रणः वाहनों के कम रुकने से वायु गुणवत्ता में सुधार होगा और प्रदूषण में कमी आएगी।

निगम का उद्देश्य : महापौर परिषद ने बताया कि निगम का उद्देश्य शहर में नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के साथ–साथ यातायात व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित बनाना है। प्रमुख चौक–चौराहों पर लेफ्ट फ्री विकसित होने से आम नागरिकों को आवागमन में राहत मिलेगी और शहर की यातायात व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी।

गुरु पूर्णिमा पर राजनंदगांव के मिथिला धाम में गूंजे गुरु मंत्र, पूज्य मौनी बाबा का पूजन, देशभर से पहुंचे श्रद्धालु

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर सोमवार को राजनंदगांव स्थित मिथिला धाम गणेश हनुमान मंदिर में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। यहां पूज्य गुरुदेव मौनी बाबा का गुरु पूर्णिमा पूजन देशभर से आए गुरु भक्तों के साथ धूमधाम से संपन्न हुआ।

देशभर से पहुंचे गुरु भक्त

मंदिर परिसर में सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा। कोलकाता, दिल्ली, मुंबई, सीतामढ़ी, दरभंगा, दिल्ली राजहरा, दुर्ग, भिलाई, रायपुर और राजनंदगांव सहित विभिन्न शहरों से आए श्रद्धालुओं ने पूजन कार्यक्रम में श्रद्धापूर्वक भाग लिया। भक्तों ने गुरुदेव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर, दीप प्रज्वलित कर और गुरु मंत्रों के जाप के साथ आशीर्वाद लिया। वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया था।

गुरु–शिष्य परंपरा का प्रतीक पर्व

गुरु पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने गुरुदेव मौनी बाबा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। मान्यता है कि गुरु ही जीवन में अज्ञान रूपी अंधकार को दूर कर ज्ञान का प्रकाश फैलाते हैं। इसी भाव के साथ भक्तों ने गुरु का पूजन कर अपने जीवन की सफलता के लिए आशीर्वाद मांगा। मंदिर समिति द्वारा पूजन के बाद प्रसाद वितरण भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा और व्यवस्था के लिए स्वयंसेवकों की विशेष तैनाती की गई थी।

कार्यक्रम वरिष्ठ नागरिकों ने संगीत संध्या में झूमकर मनाई पुण्यतिथि

वैशाली नगर में याद-ए-रफी में गूंजे मोहम्मद रफी के हिंदी-छत्तीसगढ़ी गीत

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

वरिष्ठ नागरिकों ने महान पार्श्व गायक मोहम्मद रफी की पुण्यतिथि पर मंगलवार को सियान सदन, वैशाली नगर में याद–ए–रफी संगीत संध्या का गरिमामय आयोजन किया। कार्यक्रम में रफी साहब द्वारा हिंदी के साथ–साथ छत्तीसगढ़ी में गाए मधुर गीतों पर श्रोता झूम उठे।

छत्तीसगढ़ी गीतों ने ताजा की यादें

कार्यक्रम की शुरुआत सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ, आरती और प्रसाद वितरण से हुई। इसके बाद स्थानीय कलाकारों और वरिष्ठ नागरिकों ने रफी के सदाबहार गीतों की प्रस्तुति दी। गोंदा फुलगे मोर राजा, तोर पैरी के झनर झनर, सुन–सुन मोर पीरा के संगवारी रे जैसे लोकप्रिय छत्तीसगढ़ी गीतों ने पुराने दिनों की यादें ताजा कर दीं। वहीं हिंदी गीतों में बहारों फूल बरसाओ, लिखे जो खत तुझे, तुम मुझे यूं भुला ना पाओगे, चौदहवीं का चांद हो, याहू.. चाहे कोई मुझे जंगली कहे, गुलाबी आंखें जो देखी तेरी, ये दुनिया ये महफि ल मेरे काम की नहीं आदि गीतों पर श्रोताओं ने तालियां बजाईं। गायकों में जोसफ, संतोष शुक्ला, घनश्याम कुमार देवांगन, डी.ए. करमाकर, सुरेश जोशी, दिनेश गुप्ता का नाम उल्लेखनीय रहा।

क्विज और सम्मान समारोह

इस अवसर पर रफी साहब के जीवन और संगीत यात्रा पर केंद्रित रोचक क्विज प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। वरिष्ठ नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर पुरस्कार जीते। कार्यक्रम में जुलाई माह में जन्मदिन मनाने वाले 10 वरिष्ठ नागरिकों – कन्हैयाल खाबानी, रामभाऊ श्रीखंडे, कुमार साहू, राम बोरकर, रमेशचंद्र बटघरे, रामायण मिश्रा, सुरेश जोशी, जीडी सिंह, पवन कुमार जैन एवं सुनील कटाले का सम्मान कर सामूहिक जन्मोत्सव भी मनाया गया।

'रफी भारतीय संगीत के नक्षत्र थे'

महासंघ के अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन ने कहा कि "मोहम्मद रफी भारतीय संगीत जगत के नक्षत्र थे। उनकी आवाज में भावनाओं की अद्भुत गहराई थी। आज भी उनकी आवाज संगीत प्रेमियों के दिलों में जीवित है। उनके द्वारा छत्तीसगढ़ी में गाए गीत विशेष रूप से स्मरणीय हैं। उनकी गायकी की विरासत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।"

इस अवसर पर पद्मश्री मोहम्मद रफी और पद्मविभूषण तीजन बाई के योगदान को याद कर श्रद्धांजलि भी दी गई। कार्यक्रम में आर.एस. प्रसाद, दिनेश गुप्ता, सुरेशचंद्र जैन, राजेन्द्र वार्ष्णेय, जी. एल. अग्रवाल, शंकर शेंडे सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिक उपस्थित रहे। संचालन जोसफ और आभार प्रदर्शन दिनेश गुप्ता ने किया। अंत में सभी के लिए सामूहिक भोजन का आयोजन किया गया।

संपादकीय

सीजेआई जो चाहते हैं, वह तो अच्छी बात है लेकिन

बड़े पद पर बैठे व्यक्ति के लिए बडी.बात करना जरूरी होता है क्योंकि वह बडे पद पर बैठकर बड़ी बातें नहीं करेगा तो उसकी इसी बात को लेकर आलोचना होगी कि बड़े पद बैठा व्यक्ति किसी एक पक्ष के बारे में बात कैसे कर सकता है,वह ऐसा करता है तो उसे पक्षपाती और भेदभाव करने वाला बताया जाएगा। बड़े व्यक्ति के पास जब दो पक्षों से संबंधित मामला आता है तो उसके लिए किसी एक पक्ष में कोई बात करना ठीक नहीं माना जाता है, उससे अपेक्षा की जाती है कि वह ऐसी बात करे जिससे दोनो पक्षों का भला हो। मूल समस्या का समाधान हो ।बड़े व्यक्ति के लिए जानना जरूरी होता है कि मूल समस्या क्या है। उसका समाधान क्या हो सकता है। समाधान भी ऐसा होना चाहिए जिसे दोनो पक्ष खुशी खुशी स्वीकारे ।समाधान भी ऐसा होना चाहिए फिर वैसी समस्या का सामना दोनो पक्षों का जमीन पर न करना पड़े।

सीजेपी आंदोलन के दौरान पुलिस ज्यादती मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। एक पक्ष का कहना है कि आंदोलन को दबाने के लिए कुचलने के लिए पुलिस ने आंदोलनकारियों के साथ ज्यादती है। मारपीट की है, हिंसा की है। वहीं पुलिस वालों का पक्ष है कि किसी क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए भीड़ जब बाधा बनती है तो उसे बलप्रयोग करना पड़ता है। पुलिस जवानों पर पथराव किया जाता है, उनके साथ मारपीट की जाती है तो उसे बल प्रयोग करना पड़ता है। इस तरह की शिकायते तो हर आंदोलन के बाद सामने आती है और इसका कोई समाधान अब तक तो किया नहीं जा सका है। सीजेआई अगर इस समस्या के समाधान के लिए कुछ करना चाहते हैं तो उसका दोनों पक्षों सहित लोगों को स्वागत करना चाहिए।

दिल्ली में प्रदर्शनकारियों पर पुलिस कार्रवाई के विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट ने बेहद अहम टिप्पणी की है कि शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन संविधान से मिला मौलिक अधिकार है और केवल यह कहकर कि कहीं आंदोलन चल रहा था,पुलिस की कथित ज्यादतियों को उचित नहीं ठहराया जा सकता। शीर्ष अदालत ने साफ संकेत दिए कि अब पूरे देश में विरोध-प्रदर्शनों के लिए एक समान प्रोटोकॉल बनाने की जरूरत है, ताकि लोकतांत्रिक अधिकार भी सुरक्षित रहें और कानून-व्यवस्था भी कायम रहे।

यह सच है कि लोकतंत्र में प्रदर्शन और कानून-व्यवस्था दोनों जरूरी हैं। इसके लिए बहुत किया जा सकता है जैसे शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वालों के लिए पहले से कोई स्थान निर्धारित और उपयुक्त स्थान तय किया जा सकता है। पदर्शनकारियों की संख्या तय की जा सकती है। इसके बाद भी हिंसा हो तो आंदोलन करने वाले संगठन को दोषी ठहराया जा सकता, हानि की वसूली की जा सकती है। यदि किसी प्रदर्शन में असामाजिक तत्व घुसकर हिंसा फैलाने की कोशिश करें तो उनके खिलाफ कानून के मुताबिक सख्त कार्रवाई की जा सकती है,पुलिसकमिर्यों की सुरक्षा के लिए भी नए और कड़े कायदे कानून बनाए जा सकते हैं कि पुलिस के साथ मारपीट करने पर क्या सजा मिलेगी। सुरक्षा के लिए लगाए बेरिकेड तोड़ने पर क्या सजा होगी,भीड़ के नाम पर लोग बच जाते हैं इसलिए भीड़ में शामिल लोगों को हिंसा करने पर सजा जरूर मिले ऐसी व्यवस्था करनी होगी।

आए दिन होने वाले आंदोलन के दौरान हिंसा को देखते हुए अब जरूरी हो गया है कि पूरे देश में ऐसा स्पष्ट और एक जैसा प्रोटोकॉल होना चाहिए, जिसमें यह तय हो कि कोई भी व्यक्ति या संगठन यदि शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन करना चाहता है तो उसके लिए क्या प्रक्रिया होगी, किन स्थानों का उपयोग किया जाएगा और प्रशासन की जिम्मेदारियां क्या होंगी ।इस विषय पर केंद्र और राज्य सरकारों के साथ टकराव की बजाय सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए, ताकि पूरे देश के लिए अनिवार्य दिशा-निर्देश तैयार किए जा सकें। लोकतांत्रिक व्यवस्था में कानून के शासन के साथ ही आत्मानुशासन भी जरूरी है। जब भीड़ जुटती है और वह आत्मअनुशासित हो तो पुलिस की जरूरत नहीं पड़ेगी लेकिन भीड़ में अनुशासन होता नहीं है और वह किसी की नहीं सुनती है, इसी वजह से कानून का शासन जरूरी हो जाता है। भीड़ के लिए कानून का शासन मतलब होता है कि पुलिस ने उसके साथ ज्यादती की है।

आंदोलन के दौरान हिंसा,तोड़फोड़, मारपीट यह आज किसी एक राज्य या एक घटना का मामला नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक अधिकारों और सार्वजनिक व्यवस्था से जुड़ा राष्ट्रीय महत्व का एक गंभीर प्रश्न है ।यह सच है कि शांतिपूर्ण विरोध हर नागरिक का संवैधानिक अधिकार है और इसे दबाया किसी भी तरह से नहीं रोका जाना चाहिए लेकिन उतना ही सच यह भी है कि प्रदर्शन के नाम पर हिंसा, सरकारी संपत्ति को नुकसान या पुलिस पर हमले को किसी भी कीमत पर जायज नहीं ठहराया जा सकता लेकिन आज कल प्रदर्शन या आंदोलन तब ही सफल माना जाता है जब बहुत भीड़ एकत्र हो और वह सड़क पर हिंसा व अराजकता फैलाए। लोकतंत्र में भीड़ एकत्र करना आसान हैं लेकिन उसे नियंत्रित करना बहुत मुश्किल है। लोकतंत्र में विरोध के लिए भीड़ जरूरी है और समर्थन के लिए भीड़ जरूरी है ।भीड़ है तो समस्या है,भीड़ ही सबसे बड़ी समस्या है।

गुरु के भीतर ब्रह्मा, विष्णु और महेश को पहचानिए

आषाढ़ पूर्णिमा पर गुरु केवल पूजनीय नहीं, व्यक्तित्व का सर्जक, संस्कारों का संरक्षक और दुर्गुणों का संहारक है

आचार्य डॉ. अजय आर्य

आषाढ़ मास की पूर्णिमा केवल आकाश में पूर्ण चंद्र के उदय का पर्व नहीं है। यह भारतीय ज्ञान परंपरा की उस पूर्णता का उत्सव है, जिसने मनुष्य को अज्ञान से ज्ञान, असत्य से सत्य, अविवेक से विवेक और स्वार्थ से लोककल्याण की ओर अग्रसर किया। यह केवल गुरु के चरणों में पुष्प अर्पित करने का दिन नहीं, बल्कि उन महान व्यक्तित्वों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का अवसर है, जिन्होंने हमारे भीतर छिपी संभावनाओं को पहचाना, उन्हें दिशा दी और हमें एक श्रेष्ठ मनुष्य बनने की प्रेरणा प्रदान की।

आषाढ़ पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा अथवा व्यास पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है। यह दिन महर्षि वेदव्यास के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने का भी अवसर है। महर्षि वेदव्यास ने वैदिक ज्ञान को व्यवस्थित करने, उसे सुरक्षित रखने और भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। महाभारत जैसे विराट ग्रंथ के माध्यम से उन्होंने केवल एक महायुद्ध की कथा नहीं दी, बल्कि धर्म, नीति, न्याय, कर्तव्य, सत्ता, संबंध और मानव जीवन के जटिल प्रश्नों पर विचार करने की दृष्टि भी प्रदान की। इसलिए गुरु पूर्णिमा किसी एक व्यक्ति की पूजा का पर्व नहीं है। यह उस अखंड गुरु परंपरा के प्रति कृतज्ञता का पर्व है, जिसमें ऋषि, आचार्य, शिक्षक, माता पिता, मार्गदर्शक और जीवन को सही दिशा देने वाले सभी महान व्यक्तित्व सम्मिलित हैं।

भारतीय संस्कृति में गुरु को केवल पाठ पढ़ाने वाला शिक्षक नहीं माना गया। शिक्षक हमें किसी विषय का ज्ञान दे सकता है, किंतु गुरु जीवन की दिशा देता है। शिक्षक हमें परीक्षा में सफल होने की तैयारी कराता है, किंतु गुरु जीवन की कठिन परीक्षाओं में धैर्य और विवेक के साथ खड़े रहना सिखाता है। शिक्षक हमारी बुद्धि को विकसित करता है, किंतु गुरु हमारे भीतर चरित्र, अनुशासन, संस्कार और उत्तरदायित्व का निर्माण करता है।

गुरु की महिमा का वर्णन करते हुए प्रसिद्ध श्लोक में कहा गया है—

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः।
गुरुः साक्षात् परब्रह्म तस्मै श्रीगुरवे नमः॥

इस श्लोक को केवल श्रद्धापूर्वक दोहराना पर्याप्त नहीं है। इसके भीतर गुरु की भूमिका का अत्यंत गहरा दार्शनिक, शैक्षिक और मनोवैज्ञानिक अर्थ छिपा है। गुरु के भीतर ब्रह्मा को देखने का अर्थ उसकी सृजनशील शक्ति को पहचानना है। गुरु के भीतर विष्णु को देखने का अर्थ उसकी संरक्षण और संवर्धन की क्षमता को समझना है। और गुरु के भीतर महेश को देखने का अर्थ उस परिवर्तनकारी शक्ति को स्वीकार करना है, जो हमारे भीतर के अज्ञान, अहंकार, आलस्य, भय और दुर्गुणों का अंत कर सकती है।

गुरु में ब्रह्मा : संभावनाओं और संस्कारों का सृजन

भारतीय परंपरा में ब्रह्मा को सृष्टि का सर्जक माना गया है। इसलिए जब हम कहते हैं—गुरुर्ब्रह्मा, तब इसका भाव यह है कि गुरु हमारे भीतर श्रेष्ठ विचारों, उत्तम संस्कारों, आत्मविश्वास और नई संभावनाओं का सृजन करता है। हर बालक अपने भीतर असंख्य संभावनाओं के बीज लेकर जन्म लेता है। कोई साहित्य में कुशल हो सकता है, कोई विज्ञान में, कोई संगीत में, कोई खेल में और कोई सेवा के क्षेत्र में। किंतु बीज अपने आप वृक्ष नहीं बनता। उसे उचित भूमि, जल, प्रकाश और संरक्षण की आवश्यकता होती है। उसी प्रकार प्रतिभा को पहचानने, आत्मविश्वास को जगाने और क्षमता को सही दिशा देने के लिए गुरु की आवश्यकता होती है।

गुरु केवल यह नहीं पूछता कि विद्यार्थी क्या बनना चाहता है। वह उसके भीतर यह विश्वास जगाता है कि वह क्या बन सकता है। कई बार गुरु का एक विश्वासपूर्ण वाक्य उस विद्यार्थी के जीवन की दिशा बदल देता है, जो स्वयं अपनी क्षमता पर विश्वास खो चुका होता है।

गुरु मन में नव बीज दे, भर दे नव विश्वास।
सोया जीवन जाग उठे, मिले विवेक प्रकाश॥

आधुनिक शिक्षा मनोविज्ञान भी यह स्वीकार करता है कि सकारात्मक प्रोत्साहन, उचित मार्गदर्शन और विश्वास व्यक्ति की सीखने की क्षमता तथा आत्मविश्वास को प्रभावित करते हैं। जब गुरु किसी विद्यार्थी की क्षमता पर विश्वास करता है, तब विद्यार्थी भी अपनी संभावनाओं को पहचानने लगता है। इस प्रकार गुरु का सृजन केवल किसी विद्यार्थी की उपलब्धि में नहीं, बल्कि उसके विचारों, व्यवहार, आत्मविश्वास और चरित्र में दिखाई देता है।

गुरु में विष्णु : गुणों का पालन, संरक्षण और संवर्धन

विष्णु को पालनकर्ता और संरक्षक माना गया है। इसलिए गुरुर्विष्णुः का अर्थ है कि गुरु हमारे भीतर उत्पन्न श्रेष्ठ गुणों का संरक्षण करता है और उन्हें निरंतर विकसित करता है। किसी विद्यार्थी में सत्य, अनुशासन, परिश्रम, करुणा, सेवा या जिम्मेदारी का भाव उत्पन्न हो जाना ही पर्याप्त नहीं है। इन गुणों को निरंतर अभ्यास, प्रोत्साहन, अनुशासन और आदर्श व्यवहार से विकसित करना पड़ता है।

गुरु केवल प्रतिभा की प्रशंसा नहीं करता। वह प्रतिभा को परिश्रम से जोड़ता है। गुरु केवल सफलता पर प्रसन्न नहीं होता। वह सफलता को विनम्रता से जोड़ता है। गुरु केवल ज्ञान नहीं देता। वह ज्ञान के साथ विवेक और उत्तरदायित्व का भी विकास करता है।

गुण उपजाना एक है, कठिन उन्हें रख पाय।
गुरु विष्णु बन सींचता, तब जीवन महकाय॥

आज जानकारी बहुत है, लेकिन धैर्य कम है। प्रेरणा के हजारों वीडियो उपलब्ध हैं, किंतु निरंतर अभ्यास की प्रेरणा दुर्लभ होती जा रही है। लोग शीघ्र सफलता चाहते हैं, किंतु लंबे समय तक धैर्यपूर्वक सीखना नहीं चाहते। ऐसे समय में गुरु की भूमिका और अधिक महत्त्वपूर्ण हो जाती है। गुरु हमें सिखाता है कि प्रतिभा को उपलब्धि में और उपलब्धि को चरित्र में कैसे बदला जाए।

गुरु में महेश : अज्ञान और दुर्गुणों का अंत

महेश अथवा शिव को संहार और परिवर्तन का प्रतीक माना गया है। इसलिए गुरुर्देवो महेश्वरः का अर्थ किसी व्यक्ति का विनाश करना नहीं है। इसका भाव हमारे भीतर के अज्ञान, अहंकार, आलस्य, भय, भ्रम, असत्य और दुर्गुणों का अंत करना है। कई बार गुरु की डांट हमें कठोर लगती है। गुरु का अनुशासन हमें बंधन जैसा दिखाई देता है। गुरु द्वारा बताई गई हमारी कमी हमें असहज कर सकती है। किंतु जो गुरु केवल हमें प्रसन्न रखने के लिए हमारी गलतियों पर मौन रहे, वह हमारे भविष्य के प्रति न्याय नहीं करता।

सच्चा गुरु वह है, जो आवश्यकता पड़ने पर हमें रोक सके, हमारी भूल बता सके और सुधार के लिए प्रेरित कर सके। महेश का संहार विनाश के लिए नहीं, नवसृजन के लिए है। अनुपयोगी और अशुभ को हटाए बिना श्रेष्ठ का निर्माण संभव नहीं। इसी प्रकार गुरु हमारे भीतर के दुर्गुणों को दूर करके एक नए और श्रेष्ठ व्यक्तित्व के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करता है।

गुरु जब दोष दिखा कहे, मत समझो अपमान।
भीतर के तम को हरें, दें जीवन को ज्ञान॥

अर्जुन और द्रोणाचार्य : जब गुरु दक्षिणा बनी कर्तव्य की परीक्षा

महाभारत में अर्जुन और गुरु द्रोणाचार्य का संबंध केवल शिक्षक और विद्यार्थी का संबंध नहीं था। उसमें श्रद्धा, अनुशासन, विश्वास, कृतज्ञता और गुरु के प्रति समर्पण का अद्भुत भाव दिखाई देता है। अर्जुन ने द्रोणाचार्य से केवल धनुर्विद्या नहीं सीखी, बल्कि एकाग्रता, निरंतर अभ्यास, लक्ष्य के प्रति निष्ठा और गुरु के निर्देशों का सम्मान करना भी सीखा।

अर्जुन की एकाग्रता का प्रसिद्ध प्रसंग आज भी शिक्षा जगत के लिए प्रेरणादायी है। जब गुरु द्रोणाचार्य ने शिष्यों से वृक्ष पर बैठे पक्षी की आंख पर लक्ष्य साधने के लिए कहा और पूछा कि उन्हें क्या दिखाई दे रहा है, तब अनेक शिष्यों ने वृक्ष, पत्ते, पक्षी और आसपास का दृश्य बताया। अर्जुन ने कहा कि उन्हें केवल पक्षी की आंख दिखाई दे रही है। यह प्रसंग केवल लक्ष्य भेदने का नहीं है। यह सिखाता है कि जीवन में सफलता के लिए लक्ष्य की स्पष्टता, एकाग्रता और निरंतर अभ्यास आवश्यक है।

शिक्षा पूर्ण होने पर द्रोणाचार्य ने अपने शिष्यों से गुरु दक्षिणा की अपेक्षा की। उन्होंने उनसे कहा कि वे पंचाल नरेश द्रुपद को पराजित कर बंदी बनाकर उनके समक्ष प्रस्तुत करें। द्रुपद और द्रोणाचार्य बाल्यकाल में साथ शिक्षा प्राप्त कर चुके थे। उस समय द्रुपद ने मित्रता का३ वचन दिया था, किंतु राजा बनने के बाद उन्होंने द्रोणाचार्य का तिरस्कार और अपमान किया था।

पहले कौरवों ने द्रुपद को पराजित करने का प्रयास किया, किंतु वे सफल नहीं हो सके। इसके बाद पांडव आगे बढ़े। अर्जुन ने अपने पराक्रम और धनुर्विद्या के बल पर द्रुपद को पराजित किया और उन्हें बंदी बनाकर गुरु द्रोणाचार्य के समक्ष प्रस्तुत किया।

यह प्रसंग केवल युद्ध कौशल या विजय का वर्णन नहीं है। यह उस युग की गुरु शिष्य परंपरा में निहित कर्तव्य, श्रद्धा और कृतज्ञता के भाव को भी प्रकट करता है। अर्जुन ने गुरु से प्राप्त ज्ञान को केवल अपनी व्यक्तिगत प्रतिष्ठा के लिए उपयोग नहीं किया। उन्होंने अपने कौशल और सामर्थ्य को गुरु के प्रति उत्तरदायित्व के रूप में भी देखा।

आज इस प्रसंग का अर्थ युद्ध या प्रतिशोध नहीं है। आधुनिक संदर्भ में इसका संदेश यह है कि शिष्य गुरु से प्राप्त ज्ञान और क्षमता का उपयोग सत्य, न्याय, कर्तव्य तथा लोककल्याण के लिए करे। गुरु दक्षिणा का श्रेष्ठ रूप धन या उपहार मात्र नहीं, बल्कि गुरु की शिक्षा को अपने जीवन और कर्म में सार्थक करना है।

गुरु से पाया ज्ञान जो, कर्मों में दे ढाल।
शिष्य वही जो सत्य हित, करे उसे उज्ज्वाल॥

श्रीराम के जीवन में गुरु का संस्कार
प्रातकाल उठी गई रघुनाथ माता-पिता गुरु ना वही माथा।।

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के जीवन में गुरु वशिष्ठ और गुरु विश्वामित्र की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही। गुरु वशिष्ठ ने उन्हें केवल राजकुमार के रूप में नहीं, बल्कि धर्म, नीति और उत्तरदायित्व से युक्त भावी शासक के रूप में संस्कारित किया। गुरु विश्वामित्र श्रीराम और लक्ष्मण को अपने साथ वन में ले गए। वहां उन्होंने केवल अस्त्र शस्त्र का ज्ञान नहीं दिया, बल्कि कठिन परिस्थितियों में धैर्य, साहस और लोककल्याण के लिए कार्य करने की प्रेरणा भी दी।

यह प्रसंग बताता है कि गुरु केवल कक्षा में बैठकर शिक्षा नहीं देता। गुरु जीवन की परिस्थितियों में उतारकर शिक्षा देता है। वह शिष्य को केवल सुविधाओं में सफल होना नहीं सिखाता, बल्कि विपरीत परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्य पर दृढ़ रहना सिखाता है।

छत्रपति शिवाजी और समर्थ गुरु रामदास : शक्ति को सेवा की दिशा

छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन में समर्थ गुरु रामदास का प्रेरक प्रभाव रहा। शिवाजी केवल वीर योद्धा नहीं थे। उनके व्यक्तित्व में स्वराज्य, जनकल्याण, धर्मरक्षा और प्रजा के प्रति उत्तरदायित्व का भाव भी था।

लोकप्रिय परंपरा में एक प्रेरक प्रसंग आता है कि शिवाजी ने अपने राज्य को समर्थ गुरु रामदास के चरणों में समर्पित करने का भाव प्रकट किया। गुरु ने उन्हें यह समझाया कि राज्य व्यक्तिगत अधिकार या वैभव का साधन नहीं, बल्कि जनसेवा और उत्तरदायित्व का माध्यम है। शासक को स्वामी नहीं, सेवक की भावना से कार्य करना चाहिए। यह प्रसंग हमें सिखाता है कि गुरु व्यक्ति की शक्ति को केवल बढ़ाता नहीं, उसे सही दिशा देता है। शक्ति यदि अहंकार से जुड़ जाए तो अत्याचार बन सकती है। वही शक्ति यदि गुरु के संस्कार से जुड़ जाए तो लोककल्याण का माध्यम बन जाती है।

मौलिक दोहा

बल को यदि सद्बुद्धि मिले, बने जनों का त्राण।
गुरु दिशा दे शक्ति को, जग में बढ़े कल्याण॥

श्रीरामकृष्ण और स्वामी विवेकानंद : प्रश्न से अनुभूति तक

श्रीरामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानंद का गुरु शिष्य संबंध श्रद्धा के साथ साथ जिज्ञासा और सत्य की खोज का अद्भुत उदाहरण है। युवा नरेंद्रनाथ दत्त के मन में अनेक प्रश्न थे। वे केवल परंपरा को स्वीकार कर लेने वाले व्यक्ति नहीं थे। वे सत्य को अनुभव के आधार पर जानना चाहते थे। उन्होंने श्रीरामकृष्ण से प्रश्न किया—क्या आपने ईश्वर को देखा है?

श्रीरामकृष्ण ने अत्यंत विश्वास के साथ उत्तर दिया कि वे ईश्वर का अनुभव उतनी ही स्पष्टता से करते हैं, जितनी स्पष्टता से वे सामने उपस्थित व्यक्ति को देखते हैं।

गुरु ने नरेंद्र के प्रश्नों को दबाया नहीं। उनकी जिज्ञासा का सम्मान किया। उनके भीतर की असाधारण शक्ति को पहचाना और उसे मानवता की सेवा की दिशा दी। वही नरेंद्र आगे चलकर स्वामी विवेकानंद बने और उन्होंने भारत की आध्यात्मिक चेतना को विश्व के सामने प्रभावशाली रूप से प्रस्तुत किया। यह प्रसंग बताता है कि सच्चा गुरु प्रश्नों से डरता नहीं। वह शिष्य के प्रश्नों को ज्ञान की यात्रा का आरंभ बनाता है।

गुरु विरजानंद और स्वामी दयानंद : जब गुरु ने शिष्य से उसका जीवन मांग लिया

गुरु शिष्य परंपरा का एक अत्यंत प्रेरक और भावपूर्ण प्रसंग स्वामी दयानंद सरस्वती और उनके गुरु स्वामी विरजानंद का है। स्वामी दयानंद सत्य की खोज में अनेक स्थानों पर गए। अंततः वे मथुरा में प्रज्ञाचक्षु विद्वान गुरु विरजानंद के सान्निध्य में पहुंचे। वहां उन्होंने व्याकरण, वेद और शास्त्रों का गंभीर अध्ययन किया। गुरु विरजानंद केवल ज्ञान देने वाले आचार्य नहीं थे। वे शिष्य से कठोर परिश्रम, अनुशासन, सत्यनिष्ठा और पूर्ण समर्पण की अपेक्षा रखते थे। शिक्षा पूर्ण होने पर जब गुरु दक्षिणा का समय आया, तब स्वामी दयानंद ने श्रद्धापूर्वक गुरु से पूछा कि वे दक्षिणा में क्या स्वीकार करेंगे। परंपरा में वर्णित है कि स्वामी दयानंद ने गुरु के प्रति श्रद्धा के प्रतीक के रूप में लौंग अर्पित की। किंतु गुरु विरजानंद की अपेक्षा किसी धन, वस्तु या उपहार की नहीं थी।

उन्होंने अपने शिष्य से अपेक्षा की कि वह अपने जीवन को सत्य के प्रचार, वेदज्ञान के प्रसार और समाज में फैली अज्ञानपूर्ण कुरीतियों के उन्मूलन के लिए समर्पित करे।

मानो गुरु ने शिष्य से कहा हो- मुझे तुम्हारी संपत्ति नहीं चाहिए। मुझे तुम्हारा जीवन चाहिए। स्वामी दयानंद ने उस गुरु आज्ञा को जीवन का व्रत बना लिया। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन सत्य, वेद, शिक्षा, समाज सुधार और मानव कल्याण के लिए समर्पित कर दिया। यह प्रसंग गुरु दक्षिणा की परिभाषा को अत्यंत ऊंचा बना देता है। गुरु दक्षिणा केवल धन, वस्त्र, उपहार या सम्मान नहीं है। गुरु दक्षिणा वह है, जब शिष्य गुरु से प्राप्त ज्ञान को अपने जीवन का उद्देश्य बना ले।

मौलिक दोहा

लौंग नहीं बस मांग ली, गुरु ने जीवन डोर।
शिष्य बना जब सत्य का, जग में फैला भोर॥

स्वामी दयानंद ने गुरु के चरणों में केवल श्रद्धा नहीं रखी। उन्होंने गुरु की शिक्षा को कर्म में बदल दिया। यही कारण है कि उनका जीवन आज भी यह संदेश देता है कि सच्चा शिष्य गुरु की बात को केवल सुनता नहीं, उसे अपने जीवन का संकल्प बनाता है।

गुरु का वैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक महत्व

आज का युग सूचना और तकनीक का युग है। हमारे हाथ में मोबाइल है। इंटरनेट के माध्यम से संसार भर की जानकारी कुछ क्षणों में उपलब्ध हो सकती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता अनेक प्रश्नों के उत्तर दे सकती है। किंतु जानकारी और ज्ञान एक ही बात नहीं हैं। सूचना हमें बताती है कि संसार में क्या उपलब्ध है। ज्ञान हमें उसका अर्थ समझाता है। विवेक हमें यह निर्णय करने की क्षमता देता है कि क्या उचित है। गुरु इन तीनों के बीच सेतु का कार्य करता है।

तकनीक हमारी गति बढ़ा सकती है, किंतु जीवन की दिशा नहीं चुन सकती। इंटरनेट हमें हजारों विकल्प दे सकता है, किंतु सही विकल्प चुनने का विवेक गुरु के मार्गदर्शन, अनुभव और संस्कार से विकसित होता है। आधुनिक मनोविज्ञान यह स्पष्ट करता है कि सीखना केवल तथ्यों को याद करना नहीं है। सीखने में प्रेरणा, भावनात्मक सुरक्षा, विश्वास, अनुकरण, अभ्यास और सकारात्मक मार्गदर्शन की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। गुरु का विश्वास विद्यार्थी के आत्मविश्वास को बढ़ाता है। गुरु का प्रोत्साहन उसकी सीखने की प्रेरणा को मजबूत करता है। गुरु का अनुशासन उसके व्यवहार को दिशा देता है। और गुरु का आदर्श उसके व्यक्तित्व में स्थायी संस्कार उत्पन्न करता है।

मौलिक दोहा

सूचना सागर बहुत, ज्ञान कहां हर ठौर।
गुरु विवेक की नाव है, ले जाए उस पार॥

गुरु पूर्णिमा : केवल प्रणाम नहीं, आत्मचिंतन

गुरु पूर्णिमा केवल गुरु को सम्मान देने का दिन नहीं, स्वयं को देखने का दिन भी है। हमें स्वयं से पूछना चाहिए—क्या हमने गुरु से केवल ज्ञान लिया या उनके संस्कारों को भी जीवन में उतारा? क्या हमने उनके उपदेश केवल सुने या उन्हें अपने व्यवहार का हिस्सा बनाया? क्या हमारी सफलता में गुरु का योगदान है और क्या हमने उस योगदान के प्रति कभी कृतज्ञता व्यक्त की?

आज यदि आपके गुरु, शिक्षक, माता पिता या कोई जीवन मार्गदर्शक आपके सामने हैं, तो उनके पास जाइए। श्रद्धा और विनम्रता से प्रणाम कीजिए। उनका आशीर्वाद लीजिए। गुरु के चरणों में प्रणाम करना केवल शरीर का झुकना नहीं है। यह अहंकार का ज्ञान के सामने विनम्र होना है। यह स्वीकार करना है कि हम अपने प्रयासों से आगे बढ़े, किंतु हमें दिशा देने वाले भी कोई थे। प्रणाम मन में विनम्रता जगाता है। विनम्र व्यक्ति ही निरंतर सीख सकता है। जो व्यक्ति स्वयं को पूर्ण मान लेता है, उसके लिए ज्ञान के द्वार धीरे धीरे बंद होने लगते हैं।

गुरु का आशीर्वाद केवल औपचारिक शब्द नहीं है। उसमें अनुभव का सार, स्नेह की ऊष्मा, विश्वास की शक्ति और शुभकामना की ऊर्जा होती है। जब गुरु कहता है—सदा आगे बढ़ो, सत्य के मार्ग पर चलो और जीवन में सफल हो—तो ये शब्द कठिन समय में साहस और आत्मविश्वास का संबल बन सकते हैं।

झुकता मस्तक गुरु चरण, मिटता मन का मान।
आशीषों की छांव में, खिलता जीवन ज्ञान॥

यदि गुरु दूर हैं, तो उन्हें फोन कीजिए। एक संदेश भेजिए। कहिए— गुरुदेव! आपने मुझे केवल पढ़ाया नहीं, बल्कि जीवन की दिशा दी। आपने मेरी कमियों को सुधारा, मेरी क्षमताओं पर विश्वास किया और मुझे आगे बढ़ने का साहस दिया। आपके ज्ञान, स्नेह और आशीर्वाद के लिए मैं हृदय से कृतज्ञ हूं। यदि आपके गुरु इस संसार में नहीं हैं, तो उनकी स्मृति के सामने श्रद्धा से सिर झुकाइए। उनके दिए हुए संस्कारों को स्मरण कीजिए और संकल्प लीजिए कि उनके आदर्शों को अपने जीवन में जीवित रखेंगे। यही सच्ची श्रद्धांजलि और सच्ची गुरु दक्षिणा है।

गुरु का वास्तविक सम्मान

गुरु को पुष्प अर्पित करना सुंदर है, किंतु अपने जीवन में सदाचार के पुष्प खिलाना उससे भी श्रेष्ठ है। गुरु के चरण स्पर्श करना श्रद्धा है, किंतु उनके आदर्शों के मार्ग पर चलना सच्ची गुरु दक्षिणा है। गुरु का आशीर्वाद लेना सौभाग्य है, किंतु अपने श्रेष्ठ कर्मों से उस आशीर्वाद को सार्थक करना हमारा दायित्व है। गुरु हमारे भीतर ब्रह्मा बनकर श्रेष्ठ विचारों और संभावनाओं का सृजन करे। विष्णु बनकर हमारे गुणों और संस्कारों का संरक्षण तथा संवर्धन करे। महेश बनकर हमारे अज्ञान, अहंकार और दुर्गुणों का अंत करे। और हमें उस सत्य, विवेक और मानवता की ओर ले जाए, जहां हमारा जीवन केवल सफल नहीं, बल्कि सार्थक भी बने।

मौलिक दोहा

ब्रह्मा बन गुण सृजित करें, विष्णु गुणों को पाल।
महेश बन तम हरें गुरु, जीवन हो उज्ज्वाल॥

आषाढ़ पूर्णिमा के इस पावन अवसर पर आइए, हम केवल गुरु को स्मरण न करें, बल्कि उनके द्वारा दिए गए ज्ञान को अपने जीवन का प्रकाश बनाएं। केवल उनके चरणों में झुकें नहीं, बल्कि उनके आदर्शों के मार्ग पर चलें। केवल आशीर्वाद न मांगें, बल्कि अपने श्रेष्ठ आचरण से उस आशीर्वाद को सार्थक करें।

क्योंकि—गुरु के चरणों में झुकने वाला सिर छोटा नहीं होता, वह ज्ञान ग्रहण करने के लिए विशाल बनता है। गुरु की डांट अपमान नहीं होती, वह भविष्य को सुधारने वाली चेतावनी हो सकती है। गुरु का आशीर्वाद केवल शब्द नहीं होता, वह अनुभव, स्नेह और विश्वास से निर्मित जीवन की शक्ति होता है। और अंततः—गुरु वह नहीं, जो केवल हमें बताता है कि हमें क्या बनना है। गुरु वह है, जो हमारे भीतर छिपे श्रेष्ठ मनुष्य का सृजन करता है, उसके गुणों का संरक्षण करता है और उसके दुर्गुणों का अंत करके उसे स्वयं का श्रेष्ठ रूप बनने की प्रेरणा देता है।

इसी श्रद्धा और कृतज्ञता के साथ—

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः।
गुरुः साक्षात् परब्रह्म तस्मै श्रीगुरवे नमः॥
।।ओ३म्।।

धुंधलाती गुरु-गरिमा को पुन :स्थापित करने का महापर्व

ललित गर्ग

भारतीय संस्कृति का प्राण यदि किसी एक तत्व में समाहित है, तो वह है-गुरु। गुरु केवल ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाली चेतना है। वह मनुष्य के भीतर सोई हुई संभावनाओं को जगाता है, उसके व्यक्तित्व को संस्कारित करता है और उसे आत्मोन्नति के मार्ग पर अग्रसर करता है। इसीलिए भारतीय मनीषा ने गुरु को ईश्वर से भी श्रेष्ठ माना है। प्रसिद्ध वचन-गुरु ब्रह्मा, गुरु विष्णु, गुरु देवो महेश्वर :-केवल स्तुति नहीं, बल्कि गुरु की उस महत्ता का उद्घोष है जिसके बिना जीवन का कोई भी आयाम पूर्ण नहीं हो सकता। आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा को मनाया जाने वाला गुरु पूर्णिमा का पर्व केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि आत्मचिंतन, कृतज्ञता और जीवन-मूल्यों के पुनर्जागरण का अवसर है। यह दिन हमें स्मरण कराता है कि मनुष्य की सबसे बड़ी उपलब्धि धन, पद या प्रसिद्धि नहीं, बल्कि सही मार्गदर्शन है। जिसने जीवन को सही दिशा दे दी, उसने सब कुछ दे दिया।

भारतीय परंपरा में इस दिन महर्षि वेदव्यास का जन्मोत्सव भी मनाया जाता है, इसलिए इसे व्यास पूर्णिमा कहा जाता है। वेदव्यास ने वेदों का संकलन किया, महाभारत की रचना की और भारतीय ज्ञान-परंपरा को सुव्यवस्थित स्वरूप दिया। उन्होंने केवल ग्रंथ नहीं लिखे, बल्कि मानवता को विचारों की ऐसी ज्योति दी जो सहस्राब्दियों से विश्व का मार्गदर्शन कर रही है। इसीलिए गुरु पूर्णिमा ज्ञान और जीवन-दृष्टि के प्रति कृतज्ञता का पर्व है। गुरु का अर्थ केवल शिक्षक नहीं है। शिक्षक सूचना देता है, गुरु चेतना जगाता है। शिक्षक बुद्धि को विकसित करता है, गुरु व्यक्तित्व को प्रकाशित करता है। शिक्षक व्यवसाय हो सकता है, लेकिन गुरु सदैव तपस्या होता है। गुरु वह है जो मनुष्य के भीतर के अंधकार को हटाकर आत्मविश्वास, विवेक और करुणा का दीप प्रज्वलित करे। गुरु का स्पर्श केवल मस्तिष्क तक नहीं पहुँचता, वह आत्मा तक उतरता है।

मेरे जीवन में गुरु का स्वरूप केवल एक पूज्य व्यक्तित्व का नहीं, बल्कि जीवन के प्रत्येक मोड़ पर प्रकाश-स्तंभ का रहा है। परम पूज्य गुरुदेव आचार्य श्री तुलसी ने अपने प्रत्यक्ष सान्निध्य, प्रेरणाओं और जीवन-दृष्टि से मुझे बार-बार यह अनुभव कराया कि गुरु केवल ज्ञान देने वाले नहीं होते, वे जीवन के प्रत्येक अंधकार में दिशा दिखाने वाले दिव्य पथ-प्रदर्शक होते हैं। अनेक ऐसे अवसर आए, जब परिस्थितियां अत्यंत जटिल थीं, समाधान का कोई मार्ग दिखाई नहीं देता था, लेकिन गुरु का स्मरण, उनकी वाणी और उनके द्वारा प्रदत्त संस्कारों ने सहज ही नई राह खोल दी। कई बार उनके प्रत्यक्ष मार्गदर्शन ने ऐसी समस्याओं का समाधान किया, जो मानवीय दृष्टि से असंभव प्रतीत होती थीं। मैंने अनुभव किया है कि गुरु केवल वतर्मान का संबल नहीं बनते, वे भविष्य का निर्माण भी करते हैं। वे केवल सांसारिक जीवन को सफल बनाने की प्रेरणा नहीं देते, बल्कि आत्मा की अनंत यात्रा को भी आलोकित करते हैं। मृत्यु के पार के कल्याण का मार्ग भी गुरु ही प्रशस्त करते हैं। ऐसे अनुभव शब्दों में पूर्णत: व्यक्त नहीं किए जा सकते, क्योंकि वे तर्क से अधिक श्रद्धा, समर्पण और आत्मानुभूति के विषय हैं। आचार्य श्री तुलसी के प्रति मेरी अटूट निष्ठा का आधार कोई चमत्कार नहीं, बल्कि उनके जीवन की तपश्चर्या, दूरदर्शिता, करुणा, आत्मीयता और वह दिव्य गुरु-शक्ति है, जिसने मेरे जीवन को बार-बार नई दिशा, नई चेतना और नई ऊँचाइयां प्रदान की हैं।

आज दुनिया अभूतपूर्व वैज्ञानिक उपलब्धियों के दौर से गुजर रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल क्रांति और तकनीकी विकास ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन क्या मनुष्य पहले से अधिक शांत, संतुलित और संवेदनशील हुआ है? उत्तर सहज नहीं है। ज्ञान बढ़ा है, परंतु विवेक घटा है। सूचना का विस्फोट हुआ है, लेकिन आत्मबोध का अभाव गहराया है। तकनीक ने गति दी है, पर दिशा देने वाला गुरु दुर्लभ होता जा रहा है। यही आधुनिक समय का सबसे बड़ा संकट है। आज शिक्षा संस्थान डिग्रियां दे रहे हैं, लेकिन जीवन जीने की कला नहीं सिखा पा रहे। प्रतियोगिता बढ़ रही है, पर सहयोग घट रहा है। सफलता की दौड़ तेज हुई है, पर संतोष पीछे छूट गया है। ऐसे समय में गुरु पूर्णिमा केवल परंपरा का निर्वाह नहीं, बल्कि जीवन की दिशा सुधारने का राष्ट्रीय और वैश्विक अभियान बनना चाहिए।

गुरु का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि वह केवल सफलता नहीं सिखाता, सार्थकता सिखाता है। वह केवल लक्ष्य तक पहुँचने की विधि नहीं बताता, बल्कि यह भी बताता है कि लक्ष्य कैसा होना चाहिए। गुरु मनुष्य को बाहर की दुनिया जीतने से पहले अपने भीतर की दुनिया को जीतना सिखाता है। आत्मसंयम, विनम्रता, सेवा, करुणा और सत्यनिष्ठा जैसे गुण गुरु के सान्निध्य में ही विकसित होते हैं। भारतीय इतिहास गुरु-शिष्य परंपरा के अनुपम उदाहरणों से भरा पड़ा है। श्रीराम ने वशिष्ठ और विश्वामित्र से मर्यादा सीखी। श्रीकृष्ण ने संदीपनि से शिक्षा ग्रहण की और स्वयं अर्जुन के जीवन में गुरु बनकर उसे कमयीग का संदेश दिया। भगवान महावीर के गणधर गौतम, भगवान बुद्ध के आनंद और गुरु नानक के उत्तराधिकारी गुरु अंगद इस बात के प्रमाण हैं कि सच्चा गुरु केवल ज्ञान नहीं देता, वह नया व्यक्तित्व गढ़ता है। लेकिन आज गुरु की गरिमा अनेक कारणों से धूमिल हुई है। कुछ कथित गुरुओं ने अध्यात्म को प्रदर्शन, चमत्कार और व्यापार का माध्यम बना दिया है। श्रद्धा का स्थान प्रचार ने ले लिया है। आध्यात्मिकता की जगह बाजारवाद ने प्रवेश कर लिया है। ऐसे वातावरण में विवेकपूर्वक गुरु का चयन अत्यंत आवश्यक है। संतों ने ठीक ही कहा है-ह्यपानी पीजै छान के, गुरु कीजै जान के ह्न गुरु वह नहीं जो भीड़ जुटाए, बल्कि वह है जो व्यक्ति के भीतर चरित्र, साहस और आत्मविश्वास का निर्माण करे।

सच्चा गुरु कभी अपने व्यक्तित्व का प्रचार नहीं करता। उसका जीवन ही उसका संदेश होता है। वह अपने अनुयायियों को स्वयं पर आश्रित नहीं बनाता, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाता है। वह अंधभक्ति नहीं, आत्मजागरण सिखाता है। उसका मौन भी शिक्षा होता है और उसका आचरण सबसे बड़ा उपदेश। आज आवश्यकता केवल अच्छे गुरुओं की नहीं, बल्कि अच्छे शिष्यों की भी है। गुरु तभी प्रभावी होता है जब शिष्य में विनम्रता, जिज्ञासा और ग्रहणशीलता हो। अहंकार से भरा हुआ पात्र ज्ञान को धारण नहीं कर सकता। इसलिए गुरु पूर्णिमा हमें केवल गुरु का सम्मान करना नहीं सिखाती, बल्कि अपने भीतर योग्य शिष्य बनने की प्रेरणा भी देती है।

यदि हम विश्व को अधिक शांतिपूर्ण, मानवीय और संतुलित बनाना चाहते हैं, तो उसके लिए केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं होगा। नई विश्व-व्यवस्था का निर्माण आध्यात्मिक मूल्यों पर ही संभव है। विज्ञान हमें साधन दे सकता है, लेकिन उनका सदुपयोग कैसे हो, यह गुरु ही सिखा सकता है। राजनीति व्यवस्था बना सकती है, पर चरित्र का निर्माण गुरु ही करता है। कानून अपराध रोक सकता है, लेकिन अपराध की प्रवृत्ति को समाप्त करने का कार्य संस्कार ही कर सकते हैं और संस्कारों का सबसे बड़ा स्रोत गुरु है। इक्कीसवीं सदी में मानवता के सामने हिंसा, आतंकवाद, पर्यावरण संकट, मानसिक तनाव, पारिवारिक विघटन और नैतिक पतन जैसी अनेक चुनौतियां हैं। इन समस्याओं का समाधान केवल तकनीकी उपायों से संभव नहीं है। इनके मूल में मनुष्य की चेतना है, और चेतना का परिष्कार गुरु ही कर सकता है। इसलिए गुरु केवल व्यक्ति का निर्माता नहीं, बल्कि समाज और विश्व का भी निर्माता है। गुरु पूर्णिमा का वास्तविक संदेश यही है कि हम गुरु को केवल पूजें नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारें। उनके बताए मार्ग पर चलें। सेवा को जीवन का धर्म, संयम को शक्ति, सत्य को आधार और करुणा को व्यवहार बनाएं। यही सच्ची गुरु-भक्ति है। गुरु पूर्णिमा हमें यही संकल्प लेने की प्रेरणा देती है कि हम अपने जीवन में ऐसे गुरु-तत्त्व को स्थान देंगे जो हमें केवल सफल नहीं, बल्कि श्रेष्ठ मनुष्य बनाए। नई विश्व-संरचना का आधार यदि किसी एक शक्ति में निहित है, तो वह गुरु की चेतना, गुरु के संस्कार और गुरु के आदर्श हैं। जब गुरु की गरिमा पुन: शिखर पर प्रतिष्ठित होगी, तभी मानवता का भविष्य भी प्रकाशमय, संतुलित और आदर्श बन सकेगा।

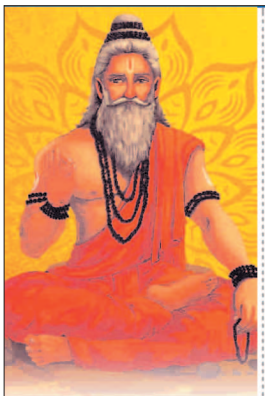

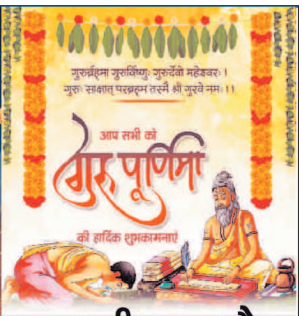

महर्षि वेदव्यास को समर्पित ज्ञान और गुरु-परंपरा का महापर्व

हिंदू धर्म और बौद्ध धर्म के धार्मिक शास्त्रों में गुरु पूर्णिमा के उत्सव को न केवल महत्वपूर्ण माना जाता है, बल्कि पवित्र भी माना जाता है। सदियों पुरानी संस्कृतियों में गुरु को जीवन का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा माना गया है और इसलिए समाज व इसकी निर्माण प्रक्रिया में गुरु एक अभिन्न अंग है। साल 2026 में गुरु पुर्णिमा का यह पर्व 29 जुलाई को मनाया जाएगा।

प्राचीन वैदिक शास्त्रों के निम्नलिखित श्लोक शिक्षक या गुरु को दिए गए सर्वोच्च स्थान को स्पष्ट करते हैं -

गुरु ब्रह्मा, गुरु विष्णु, गुरु देवो महेश्वरः,
गुरु साक्षात परम ब्रह्मा, तस्मै श्री गुरुवे नमः।

अर्थ - हे गुरु, आप देवताओं के समान हैं। आप भगवान ब्रह्मा हैं, आप भगवान विष्णु हैं और आप ही भगवान शिव हैं, आप देवताओं के देवता हैं। हे गुरुवर, आप सर्वोच्च प्राणी हैं। मैं नतमस्तक होकर आपको

नमन करता हूं। चंद्र मास आषाढ़ के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है। गुरु शब्द में - गु का अर्थ है अंधकार, अज्ञान और रु का अर्थ है दूर करना या हटाना। तो, गुरु वह है जो हमारे जीवन से अज्ञानता के अंधकार को दूर करता है, हमें ज्ञानी बनाता है और हमारे जीवन और मन में सकारात्मकता लाता है।

गुरु पूर्णिमा का इतिहास और महत्व

ऐसा माना जाता है कि गुरु वेद व्यास ने सभी 4 वेदों को लिखा था, जो भगवान ब्रह्मा द्वारा पढ़े गए थे और इस दुनिया में हर व्यक्ति उस काम के लिए कर्ज में है, जो संत व्यास ने किया था। उन्होंने कई पुराण भी लिखे और उसी समय से एक दिन गुरुओं को समर्पित किया जाता था और इस दिन को 'गुरु पूर्णिमा' कहा जाता है। पूर्णिमा शब्द का प्रयोग इसलिए किया जाता है, क्योंकि इस दिन पूर्णिमा होती है। अतीत और आज की दुनिया में भी इसका गहरा महत्व है। चूंकि यह दिन गुरुओं को समर्पित है, जाति आदि के बावजूद लोग अपने गुरुओं को उनके द्वारा दिए गए ज्ञान के लिए धन्यवाद देते हुए प्रार्थना करते हैं।

गुरु-शिष्य संबंधों का दिन गुरु पूर्णिमा

गुरु पूर्णिमा उन महान शिक्षकों और गुरुओं को समर्पित है, जो हमारे भविष्य का निर्माण करते हैं। एक गुरु या शिक्षक वह होता है जो हमारे जीवन में एक मार्गदर्शक की तरह काम करता है, जो हमें हमारी बेहतरी के लिए सही रास्ते पर ले जाता है। इसलिए, गुरु पूर्णिमा के दिन उनकी पूजा की जाती है। हिंदू वैदिक प्रमाणों के अनुसार, गुरु पूर्णिमा वेद व्यास के जन्म पर मनाई जाती है। वेद व्यास को भारतीय दर्शन में सबसे महान गुरुओं में से एक के रूप में जाना जाता है। वह गुरु-शिष्य परंपरा का प्रतीक है। यह भी माना जाता है कि उन्होंने गुरु पूर्णिमा के दिन ब्रह्म सूत्रों को पूरा किया था। गुरु-शिष्य संबंध भारतीय संस्कृति के मुख्य आकर्षणों में से एक है। प्राचीन काल में, बच्चों को एक पवित्र धागा (पूनल या यज्ञोपवीथ या जनेऊ) पहनाया जाता था और उन्हें एक आश्रम/पाठशाला में भेजा जाता था, जहां उन्हें विभिन्न विषयों की शिक्षा दी जाती थी। गुरु उन्हें जीवन में सही दिशा खोजने में मदद करेगा।

सनातन परंपराओं में हमारे माता पिता को हमारा पहला गुरु माना गया है। माता-पिता हमारे जीवन के पहले शिक्षक होते हैं, और इस प्रकार भारतीय संस्कृति भी माता-पिता को गुरु मानती है। पारंपरिक गुरु-शिष्य संस्कृति में, जब कोई शिष्य अपनी शिक्षा पूरी कर लेता था, और आश्रम छोड़ता था, तो वह अपने गुरु को गुरुदक्षिणा के रूप में कुछ न कुछ देता था, उसके बाद ही वास्तविक दुनिया में एक नया जीवन शुरू करता था। इस गुरु-शिष्य परंपरा को ध्यान में रखते हुए, प्रत्येक गुरु पूर्णिमा पर, लोग अपने शिक्षकों को अपनी इच्छा और क्षमता के अनुसार कुछ उपहार देते हैं, और उनका आशीर्वाद लेते हैं। पूज्य संत कबीर दास जी ने भी गुरु को लेकर कहा है कि -

गुरु गोविन्द दोऊ खड़े, काके लागूं पांय।
बलिहारी गुरु अपने गोविन्द दियो बताय।।

जिसका अर्थ है- गुरू और गोबिंद (भगवान) एक साथ खड़े हों तो किसे प्रणाम करना चाहिए, गुरु को अथवा गोबिन्द को? ऐसी स्थिति में गुरू के श्रीचरणों में शीश झुकाना उत्तम है, जिनके कृपा रूपी प्रसाद से गोविन्द का दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

संत कबीरदास जी का गुरु को लेकर एक और प्रसिद्ध दोहा है-

कबीरा ते नर अंध है, गुरु को कहते और,
हरि रूठे गुरु ठौर है, गुरु रूठे नहीं ठौर।

जिसका अर्थ है- कबीर दास जी कहते हैं कि वे लोग अंधे और मूर्ख हैं जो गुरु की महिमा को नहीं समझ पाते। अगर ईश्वर आपसे रूठ गया तो गुरु का सहारा है, लेकिन अगर गुरु आपसे रूठ गया तो दुनियां में कहीं आपका सहारा नहीं है।

कब रखा जाएगा गुरु पूर्णिमा का व्रत

साल 2026 में गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व 29 जुलाई 2026, बुधवार को मनाया जाएगा। हिंदू पंचांग के अनुसार, आषाढ़ मास की पूर्णिमा तिथि को यह उत्सव मनाया जाता है, जो इस वर्ष उदयातिथि के नियम के तहत 29 जुलाई को पड़ रहा है।

गुरु पूर्णिमा का हिंदू धर्म में विशेष महत्व बताया गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, गुरु पूर्णिमा के दिन गुरुओं का सम्मान और उनकी पूजा की जाती है। शास्त्रों के अनुसार, आषाढ़ मास की पूर्णिमा को वेद व्यास जयंती के नाम से भी जाना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन वेद व्यास जी का जन्म हुआ था। वेद व्यास जी को प्रथम गुरु माना जाता है। मान्यता है कि गुरु पूर्णिमा के दिन गुरु की पूजा करनी चाहिए। गुरुओं को वस्त्र, फल मिठाई आदि चीजों को समर्पित करना चाहिए। आइए जानते हैं गुरु पूर्णिमा कब मनाई जाएगी। आइए जानते हैं गुरु पूर्णिमा की तारीख, महत्व और पूजा विधि।

गुरु पूर्णिमा 2026 कब है

पंचांग और पंडित राकेश झा के अनुसार, पूर्णिमा तिथि का आरंभ 28 जुलाई को शाम में 6 बजकर 19 मिनट पर होगा और 29 तारीख में शाम में 8 बजकर 6 मिनट पर पूर्णिमा तिथि समाप्त होगी। शास्त्रों के अनुसार, जिस दिन पूर्णिमा तिथि के मध्यरात्रि के समय लग रही हो उस दिन पूर्णिमा का व्रत किया जाता है। ऐसे में 28 जुलाई को पूर्णिमा व्रत किया जाएगा और गुरु पूर्णिमा का दान आदि का कार्य 29 जुलाई को किया जाएगा। इस दिन अपने गुरु का सम्मान करना चाहिए। इस दिन उनका आभार व्यक्ति करना चाहिए।

गुरु पूर्णिमा पर जरूर करें ये 2 काम

- गुरु पूर्णिमा के दिन आप सुबह में स्नान और पूजा के बाद अपने गुरु के पास जाएं या फिर उनको घर पर आमंत्रित करें. उनका आदर-सत्कार करें और पैर छूकर आशीर्वाद लें. भोजन कराएं. उपहार दें. उनको सभी प्रकार से संतुष्ट करके विदा करें. गुरु पूर्णिमा के दिन यह काम करने से आपकी उन्नति होगी क्योंकि गुरु की सेवा करने से कुंडली का गुरु दोष दूर होता है. गुरु की कृपा के बिना आपको ज्ञान और मोक्ष दोनों ही प्राप्त नहीं हो सकता.
- गुरु पूर्णिमा के अवसर पर किसी गरीब ब्राह्मण को पीले वस्त्र, हल्दी, पीतल के बर्तन, गुड़, घी, पीले चावल आदि का दान कर सकते हैं. इस दिन आप चाहें तो देव गुरु बृहस्पति की भी पूजा करने से सुख और सौभाग्य की प्राप्ति होती है.

गुरु पूर्णिमा के दिन क्या करें?

- गुरु पूर्णिमा के दिन आप अपने गुरु से मिलें, और उनका आशीर्वाद ग्रहण करें।
- वैदिक शास्त्रों के अनुसार श्री आदि शंकराचार्य को जगतगुरु (सभी का शिक्षक) माना जाता है। आप इस दिन उनकी पूजा कर सकते हैं।
- गुरु के गुरु गुरु दत्तात्रेय की भी पूजा करनी चाहिए। इसके अलावा आप दत्त बावनी का पाठ भी कर सकते हैं।
- वैदिक ज्योतिष में, बृहस्पति ग्रह को गुरु कहा जाता है शिक्षक या उच्च शिक्षा और आदर्शों के संकेतक आप इस दिन भगवान बृहस्पति की पूजा कर सकते हैं।
- भगवान ब्रहस्पति को प्रसन्न करने के लिए आप वैदिक रिति रिवाजों से उनकी पूजा करवा सकते हैं।

गुरु की पूजा और आराधना करने से होती है सौभाग्य की प्राप्ति

- वैदिक ज्योतिष के सिद्धांतों के अनुसार, आप एक अभ्यस्त और ऊर्जावान गुरु यंत्र की पूजा भी कर सकते हैं, खासकर यदि नीचे दिए गए ग्रह संयोजन आपकी जन्म कुंडली में मौजूद हों। यह आपकी कुंडली में गुरु या भगवान बृहस्पति के सौम्य प्रभावों को मजबूत करने में आपकी मदद करेगा।
- यदि आपकी जन्म कुंडली में गुरु अपनी नीच राशि यानी मकर राशि में है, तो आपको नियमित रूप से किसी गुरु यंत्र की पूजा करनी चाहिए।
- आपकी जन्म कुंडली में बृहस्पति-राहु, बृहस्पति-केतु या बृहस्पति-शनि की युति होने पर भी यह यंत्र अनुकूल है।
- यदि गुरु आपकी कुण्डली में नीच भाव में अर्थात छठे, आठवें या बारहवें भाव में है तो आपको किसी ऊर्जावान गुरु यंत्र की पूजा करनी चाहिए।
- जब बृहस्पति आपकी जन्म कुंडली में वक्री या अस्त होता है, तो बृहस्पति उतना मजबूत नहीं होता जितना आमतौर पर होता है। विश्वसनीय और ऊर्जावान गुरु यंत्र की पूजा करना आपके लिए फायदेमंद साबित होगा।
- जिनकी कुंडली में बच्चे की शिक्षा से संबंधित मामलों में समस्याओं का संकेत है, उन्हें विशेषज्ञ ज्योतिष की सलाह के माध्यम से वास्तविक मार्गदर्शन लेना चाहिए और पुखराज / पीला नीलम पहन सकते हैं।
- यदि आपकी कुण्डली वित्तीय परेशानियों का संकेत देती है, तो आपको वित्तीय मोर्चे पर समाधान खोजने के लिए नियमित रूप से एक सक्रिय श्री यंत्र की पूजा करनी चाहिए।
- गुरु पूर्णिमा को अपने मूल्यवान मार्गदर्शक, शिक्षक या जीवन के गुरु के साथ मनाएं।

पितृ दोष दूर करने के लिए गुरु पूर्णिमा के दिन इन स्थानों पर जलाएं दीपक

हिंदू धर्म में गुरु पूर्णिमा का पर्व अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। यह पर्व आषाढ़ मास की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है। गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा और वेद पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। इस साल गुरु पूर्णिमा 29 जुलाई को मनाई जाएगी।

आषाढ़ पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है। इस दिन पर पितृ दोष से मुक्ति पाने के लिए आप कई उपाय कर सकते हैं। इसमें नियमों के अनुसार दीपक जलाना भी शामिल है।

गुरु पूर्णिमा का हिंदू धर्म में विशेष महत्व माना गया है। इस पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा के रूप में भी जाना जाता है, क्योंकि इसी तिथि पर महर्षि वेदव्यास का जन्म हुआ था। महर्षि वेदव्यास महाभारत ग्रंथ के रचयिता रहे हैं। पूर्णिमा तिथि को पितरों को प्रसन्न करने के लिए एक उत्तम तिथि माना गया है। इस तिथि पर आप अगर कुछ खास स्थानों पर दीपक जलाते हैं, तो इससे आपको पितृ दोष से राहत मिल सकती है।

इस दिशा में जलाएं दीपक

दक्षिण दिशा को पितरों की दिशा माना जाता है। ऐसे में आप गुरु पूर्णिमा के दिन पितृ दोष दूर करने के लिए, घर की दक्षिण दिशा में दीपक जला सकते हैं। इसके साथ ही पूर्वजों की तस्वीर के सामने, तिल के तेल का दीपक जलाना भी शुभ माना जाता है। ऐसा करने से आपको पितृ दोष से राहत देखने को मिल सकती है।

जरूर करें ये काम

गुरु पूर्णिमा के दिन नदी में दीपदान करना भी शुभ माना जाता है। इस उपाय को करने से भी जातक को पितृ दोष से मुक्ति मिल सकती है। इसके अलावा, पीपल के पेड़ के नीचे सरसों के तेल का दीपक जलाना भी पितृ दोष से राहत के लिए काफी लाभकारी होता है। इससे जातक पर पितरों का आशीर्वाद बना रहता है।

करें ये उपाय

पितृ दोष से राहत पाने के लिए पूर्णिमा के दिन पितरों के लिए भोजन निकालकर उनका तर्पण करें। कौओं के लिए भोजन निकालें। साथ ही इस दिन पितृ स्तोत्र और पितृ कवच आदि का पाठ करें। ये पितृ दोष के निवारण में सहायक साबित हो सकते हैं।

रखें इन बातों का ध्यान

पितृ दोष से निवारण के लिए सरसों के तेल का दीपक जलाना शुभ होता है। दीपक को सीधे जमीन पर न रखें, बल्कि इसे चावलों के ऊपर या फिर किसी प्लेट के ऊपर रख सकते हैं। इसके साथ ही पूर्णिमा के दिन दीपक जलाते समय पितरों का स्मरण करें और जाने-अनजाने में आपसे हुई गलतियों के लिए उनसे क्षमा मांगे।

सर्वगुण..... में नॉन ग्लैमरस रोल में दिखेंगी वाणी

वाणी कपूर की अगली फिल्म 'सर्वगुण संपन्न' है। इसकी निर्देशक सोनाली रतन देशमुख हैं। उन्होंने इस फिल्म के आइडिया से लेकर वाणी के इससे जुड़ने और कहानी के फोकस पर खास बातचीत की...

निर्देशक सोनाली 'सर्वगुण संपन्न' को लेकर कहती हैं... 'फिल्म की शुरुआत किसी स्टार को ध्यान में रखकर नहीं, बल्कि एक वन-लाइनर आइडिया से हुई थी। 'शिद्दत' के बाद मैडॉक फिल्म्स की क्रिएटिव हेड शारदा कार्की ने मुझे लेखक सुमित घिल्डियाल के साथ तैयार की गई कहानी सुनाई, जिसमें मुझे अलग तरह की मानवीय कॉमेडी नजर आई। इसके बाद स्क्रिप्ट पर कई महीनों तक काम हुआ। कहानी को बार-बार लिखा गया ताकि हास्य परिस्थितियों से पैदा हो और भावनात्मक संतुलन भी बना रहे। वन-लाइनर सिर्फ दिशा देता है, असली फिल्म स्क्रीनप्ले में तैयार होती है।'

फिल्म पूरी तरह फैमिली ड्रामा, जिंदगी में का आए बदलावों के इर्द-गिर्द घूमती है कहानी

सोनाली का कहना है कि 'फिल्म की बाहरी परत देखकर निष्कर्ष नहीं निकालना चाहिए। किसी एडल्ट स्टार से मिलती-जुलती शक्ल कहानी की सिर्फ शुरुआती वजह है, जबकि पूरी फिल्म एक छोटे शहर की लड़की की जिंदगी में आए बदलावों और पारिवारिक रिश्तों के इर्द-गिर्द घूमती है।

किरदार को जीने पर रहा वाणी को पूरा जोर

बकौल सोनाली... 'फिल्म की शूटिंग शुरू होने से पहले वाणी ने करीब तीन महीने तक अपने किरदार पर काम किया। इस दौरान लगातार स्क्रिप्ट रीडिंग, वर्कशॉप और किरदार की मानसिकता, भाषा, बॉडी लैंग्वेज व व्यवहार पर विस्तार से चर्चा की गई। हमारा उद्देश्य वाणी से सिर्फ अभिनय कराना नहीं था, बल्कि उन्हें उस लड़की की दुनिया और व्यक्तित्व में पूरी तरह ढालना था, ताकि स्क्रीन पर उनका किरदार पूरी तरह स्वाभाविक लगे।'

ऋषिकेश भी फिल्म में सिर्फ लोकेशन नहीं, कहानी का अहम किरदार भी रही

सोनाली बताती हैं...' फिल्म के लिए ऋषिकेश का चयन केवल खूबसूरत लोकेशन की वजह से नहीं किया गया। धार्मिक माहौल, छोटे शहर की सामाजिक संरचना और पारिवारिक जीवन कहानी अहम हिस्सा हैं। शूटिंग ऋषिकेश के साथ हरिद्वार और देहरादून में भी हुई, लेकिन कहानी की आत्मा ऋषिकेश में ही बसती है।'

रिश्तों की केमिस्ट्री पर रखा है फोकस, दर्शकों के चेहरे पर मुस्कान लाने का है लक्ष्य

सोनाली ये भी कहती हैं कि 'फैमिली कॉमेडी में पंचलाइन से ज्यादा रिश्तों की केमिस्ट्री काम करती है। अगर फिल्म खत्म होने के बाद दर्शक मुस्कुराते हुए सिनेमाघर से बाहर निकलेंगे, तो वही 'सर्वगुण संपन्न' की सबसे बड़ी सफलता होगी।'

स्क्रिप्ट लॉक होने के बाद फिल्म से जुड़ी थीं वाणी, तोड़ी अपनी ग्लैमरस इमेज

सोनाली के अनुसार, 'स्क्रिप्ट के कई ड्राफ्ट पूरे होने के बाद ही वाणी को कहानी सुनाई गई। इस बार वाणी अपने अब तक के ग्लैमरस स्क्रीन इमेज से अलग ऋषिकेश की एक साधारण, चश्मा लगाने वाली और सलवार-कमीज पहनने वाली लड़की के किरदार में नजर आएंगी। कई बार सेट इमेज से निकलकर सामान्य किरदार निभाना भी चैलेंजिंग होता है।'

भाई तेरा... एक मिशन जैसी

'किल' में खतरनाक विलेन बनकर चौंकाने वाले राघव जुयाल अब कॉमेडी फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' के साथ लौट रहे हैं। वह खुद को हीरोइक जॉनर में लेकर आ गए हैं। नई फिल्म को लेकर उन्होंने खास बातचीत की...

कॉमेडी को फिर से बड़े परदे पर लाना चाहता हूं

बचपन में परिवार एक साथ थिएटर जाकर कॉमेडी फिल्में देखा करता था। आज भी दर्शकों के भीतर उसी तरह की फिल्मों की भूख मौजूद है, लेकिन इंडस्ट्री में ऐसी फिल्में कम बन रही हैं। मेरे लिए 'भाई तेरा स्टार है' सिर्फ एक कॉमेडी फिल्म नहीं है। यह एक मिशन जैसी है। मैं चाहता हूं कि लोग फिर से थिएटर में बैठकर बिना दिमाग पर बोझ लिए खुलकर हंसें। मुझे लगता है कि गोविंदा सर वाली जो मास एंटरटेनर कॉमेडी थी, उसकी जगह आज भी खाली है।

दर्शक अब नए चेहरों को भी पसंद कर रहे हैं

'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में मेरे कॉमिक अंदाज को दर्शकों ने पसंद किया। इसी ने मेरा भरोसा मजबूत किया कि अच्छी कॉमेडी की आज भी ऑडियंस है। दर्शक सिर्फ बड़े स्टार नहीं देखते, अच्छी कहानी, नए चेहरों को भी अपनाते हैं।

भाई : तेरा... में ऐसा युवा हूं, जिसके सपने बड़े, जेब छोटी है

मैं फिल्म 'भाई तेरा स्टार...' में ऐसे लड़के का रोल कर रहा हूं, जो खुद को भविष्य का सुपरस्टार मानता है। उसके सपने बड़े हैं, पर जेब छोटी है। एक डॉन से पैसे लेने के बाद उसकी जिंदगी में गलतफहमियों और भाग-दौड़ का सिलसिला शुरू हो जाता है। उसका कॉन्फिडेंस ही उसकी ताकत भी है और मुसीबत भी।

मेकर्स से कहकर फिल्म प्रीपोन करवाई, आगे इंटेंस रोल्स हैं

फिल्म की शूटिंग पूरी होने के बाद लगा कि इसे पहले रिलीज किया जाए। इसलिए मेकर्स से खुद कहा कि मेरी आगे जो फिल्में आने वाली हैं, उनमें मैं लगातार गंभीर और इंटेंस किरदार निभा रहा हूं।

ऊर्जा : ऑन-द-स्पॉट जोक्स और रिएक्शन बने फिल्म की बड़ी ताकत

सेट पर कई बार ऑन-द-स्पॉट जोक्स और रिएक्शन आते हैं। मुझे लगता है कि वही चीज इस फिल्म की सबसे बड़ी ताकत बनी है। 'भाई तेरा स्टार है' में मैंने अपने वास्तविक व्यक्तित्व को इस्तेमाल किया है।

हैवान के स्टंट खुद कर रहे अक्षय

अक्षय कुमार की फिल्म 'हैवान' का 40 दिन का मुख्य शूटिंग शेड्यूल पूरा हो चुका है। तकनीकी टीम से मिली जानकारी के मुताबिक, अक्षय ने फिल्म के ज्यादातर हाई रिस्क एक्शन सीक्वेंस खुद किए हैं। फिल्म से जुड़े तकनीकी सूत्रों के मुताबिक, अक्षय आज भी अपने अधिकतर एक्शन सीक्वेंस बिना बॉडी डबल के शूट करना पसंद करते हैं। कई बार टीम उन्हें स्टंट डबल इस्तेमाल करने की सलाह देती है, लेकिन वह जोखिम भरे शॉट भी खुद करने पर जोर देते हैं। यही वजह है कि 'हैवान' में उनका एक्शन फिल्म की सबसे बड़ी यूएसपी माना जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार, 'हैवान' का मुख्य शेड्यूल करीब 40 दिनों में पूरा किया गया। फिल्म की शूटिंग बड़े पैमाने पर केरल के घने जंगलों और प्राकृतिक लोकेशंस पर हुई है। जंगल आधारित कहानी के कारण फिल्म का विजुअल ट्रीटमेंट पारंपरिक एक्शन फिल्मों से अलग और अधिक भव्य नजर आएगा। हर बड़े एक्शन सीन से पहले कैमरा ब्लॉकिंग, फाइट डिजाइन, वायर सेटअप और सेफ्टी टेस्ट किए जाते हैं। अक्षय इन तैयारियों में सक्रिय रूप से हिस्सा लेते हैं।

'हैवान' में प्रैक्टिकल स्टंट पर जोर

'हैवान' का एक्शन इसकी सबसे बड़ी खासियत होगा। फॉरेस्ट टेरेन पर फिल्माए गए सीक्वेंस में प्राकृतिक बाधाओं को ही एक्शन डिजाइन का हिस्सा बनाया गया है। लॉन्ग-टेक फाइट्स, प्रैक्टिकल इफेक्ट्स और कम ष्ट्नद्ध के जरिए फिल्म को अधिक रियलिस्टिक और तकनीकी रूप से अलग बनाने की कोशिश की गई है। ताकि परदे पर वास्तविक अनुभव मिल सके।

अनीस बज्मी की एक फिल्म भी केरल में ही शूट कर रहे अक्षय

हैवान के साथ ही अक्षय, निर्देशक अनीस बज्मी की नई फिल्म पर भी काम कर रहे हैं। इसका पहला शेड्यूल भी केरल में शूट हुआ है, लेकिन अब तक केवल 12 से 15 प्रतिशत शूटिंग ही पूरी हुई है। फिल्म फिलहाल रुकी हुई है और यह फैमिली कॉमेडी ड्रामा है। इसमें विद्या बालन और राशि खन्ना भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी। इस बीच खबर है कि अक्षय फिलहाल छुट्टियों पर हैं और अगली शूटिंग का फैसला ब्रेक खत्म होने के बाद लिया जाएगा।

'भूल भुलैया' फ्रेंचाइज को लेकर एक बार फिर चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। मेकर्स अब फिल्म के चौथे पार्ट की शुरुआती प्लानिंग में जुटे हैं। सबसे बड़ी चर्चा यह है कि फिल्म में अक्षय और कार्तिक आर्यन को साथ लाने की कोशिश की जा सकती है।

अमाल मलिक ने तनिष्क बागची को दी चेतावनी; लगाए ये संगीन आरोप

सिंगर-कंपोजर अमाल मलिक ने वे सोशल मीडिया पोस्ट हटा दिए हैं, जिनमें उन्होंने साथी म्यूजिक कंपोजर तनिष्क बागची पर कई आरोप लगाए थे। हालांकि, म्यूजिशियन ने अब साफ किया है कि वे अपनी कही बातों पर अब भी कायम हैं। अमाल ने तनिष्क बागची पर म्यूजिक की नकल करने और दूसरों के काम का श्रेय लेने का आरोप लगाया था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का नाम लेकर धमकाया जा रहा था। इसके अलावा, अमाल ने दावा किया कि तनिष्क ने एक महिला से शादी का वादा करने के बाद कथित तौर पर उसका भावनात्मक शोषण किया था।

सोच समझकर उठाया गया कदम

एक्स पर शेयर किए गए एक नए बयान में अमाल ने बताया कि पोस्ट हटाने का फैसला सिर्फ अपनी टाइमलाइन को साफ-सुथरा रखने के लिए था। उन्होंने कहा कि यह कदम साफ सोच के साथ उठाया गया था और वे अपनी बात पर कायम हैं कि उन्होंने जरूरी कदम उठा लिए हैं।

अपने रुख पर कायम हैं अमाल

हटाए गए पोस्ट को लेकर हो रही अटकलों पर प्रतिक्रिया देते हुए, अमाल ने साफ किया कि वे पहले लगाए गए आरोपों से पीछे नहीं हट रहे हैं। उन्होंने लिखा कि पोस्ट हटाना सिर्फ अपने सोशल मीडिया अकाउंट से कचरा हटाने का एक तरीका था न कि इस बात का संकेत कि उन्होंने अपना रुख बदल लिया है।

सिंगर ने इस बात पर भी बात की कि उन्होंने अभी क्यों आवाज उठाई। उन्होंने कहा कि आरोप सार्वजनिक करने का फैसला लेने से पहले वे वर्षों तक चुप रहे। उन्होंने लिखा, 'अपने गुस्से को दबाए रखने के लिए लगभग 10 साल तक बहुत सब्र करना पड़ा। आज एक दशक बाद, मुझे आवाज उठानी पड़ी, क्योंकि कोई भी सही चीज के लिए खड़ा नहीं होना चाहता।' उन्होंने म्यूजिक इंडस्ट्री के उन लोगों की आलोचना की जिन्हें उन्होंने घटिया लोग कहा।

पोस्ट हटाने के बाद भी, अमाल ने अपने ताजा बयान में तनिष्क बागची पर निशाना साधना जारी रखा। यह दावा करते हुए कि उन्होंने एक बहुत बुरे आदमी के बारे में सच सामने ला दिया है, अमाल ने कहा कि उन्हें यकीन है कि कर्म अपना असर दिखाएगा। उन्होंने तनिष्क को सीधे संबोधित करते हुए हिंदी में लिखा, 'बेटे, मुझसे तो औकात में ही रहना। जिंदगी भर के लिए ये चेतावनी दे रहा हूं।'। तनिष्क बागची ने इन दावों पर सार्वजनिक रूप से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

सलमान सर मौका नहीं देते तो फिल्मों में काम नहीं कर रही होती

टेलीविजन पर चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में करियर की शुरुआत करने वाली महिमा मकवाना का सफर कत्तई आसान नहीं रहा। सिंगल मदर की उंगली पकड़कर चॉल में संघर्षों में पली-बढ़ी महिमा आज टीवी, ओटीटी और फिल्मों तीनों माध्यमों पर काम कर रही हैं।

सलमान खान की 'अंतिम' में हीरोइन के रूप में चुने जाने ने उनके जीवन की धारा मोड़ कर रख दी। वह कहती हैं, 'अपनी पूरी जर्नी का मैं दिल से सम्मान करती हूं। मैं लोगों से सिर्फ इतना कहना चाहूंगी कि अगर मैं कर सकती हूं, तो कोई भी कर सकता है। बस मेहनत करते रहिए, हार मत मानिए। किस्मत में जो होगा, वह मिलेगा, लेकिन हमें कोशिश करना कभी नहीं छोड़ना चाहिए।'

मेरे पेट डॉग परिंदा ने प्यार के मायने समझाए

प्यार-रोमांस को लेकर वह फलसफे के अंदाज में कहती हैं, 'मैं मानती हूं कि प्यार हमारी जिंदगी में ऑक्सीजन का काम करता है, मगर मैं अपनी बात करूं, तो इस समय मेरी जिंदगी में सेल्फ इम्प्रूवमेंट और मेरा करियर मेरी सबसे बड़ी प्राथमिकताएं हैं। प्यार बहुत खूबसूरत चीज है, लेकिन हम सब अपनी-अपनी प्राथमिकताओं के हिसाब से फैसले लेते हैं। कुछ लोग हमारी जिंदगी में आते हैं, कुछ चले जाते हैं। लेकिन आज मेरे आसपास बहुत अच्छे दोस्त हैं, मेरा परिवार है, इसलिए मैं अपने आपको पूरी तरह कंप्लीट महसूस करती हूं। परिंदा नामक मेरे पेट डॉग ने मुझे प्यार के असली मायने समझाए।

अपने जीवन और करियर में अपनी मां के योगदान को अहमियत देते हुए वह कहती हैं, 'मां-बाप का कर्ज कभी चुकाया नहीं जा सकता। वो हमें दुनिया में लाई हैं, उससे बड़ा कोई उपहार नहीं हो सकता। लेकिन जब मैंने कमाना शुरू किया, तब मैंने मां से कहा कि अब आपको काम करने कीजरूरत नहीं है। आज मेरी सबसे बड़ी कोशिश यही रहती है कि उन्हें एक आरामदायक और सुकून भरी जिंदगी दूं। लोग सोचते हैं कि शायद मैंने उन्हें कोई बड़ी गाड़ी दी होगी, बड़े-बड़े गिफ्ट दिए होंगे या छुट्टियों पर भेजा होगा। लेकिन सच कहूं तो उन्हें इन चीजों की जरूरत ही नही है। वो जहां हैं, जैसे हैं, बहुत खुश हैं। मैं बस यही चाहती हूं कि वह हमेशा खुश रहें, चैन से रहें और उन्हें वो जिंदगी मिले, जिसकी वह हकदार हैं।'

सलमान खान हमेशा गाइडिंग लाइट लाइट रहेंगे

सलमान खान की 'अंतिम' में दबंग खान के साथ काम करने को महिमा अपने करियर का टर्निंग पॉइंट मानती हैं। वह कहती हैं, 'मेरे लिए 'अंतिम' बहुत बड़ा टर्निंग पॉइंट थी। टीवी से फिल्मों तक का सफर मुझे उसी फिल्म की वजह से मिला। अगर सलमान सर ने मुझमें वह क्षमता नहीं देखी होती और मुझे मौका नहीं दिया होता तो शायद आज मैं फिल्मों में काम ही नहीं कर रही होती। मेरी पूरी ट्रैजेक्टरी 'अंतिम' ने बदल दी। मैं उन अवसरों के लिए शुक्रगुजार हूं, जो मुझे मिले। आज मैं 'शोटाइम' और 'मुसाफिर कैफे' जैसे प्रोजेक्ट कर रही हूं। सलमान सर हमेशा मेरे लिए एक गाइडिंग लाइट रहेंगे। उन्होंने मुझे मेरी पहली फिल्म का मौका दिया और मुझ पर भरोसा किया। उसके बाद की जर्नी मेरी अपनी है।

विक्रांत मैसी के साथ चाइल्ड आर्टिस्ट थी, अब हीरोइन हूं

आज महिमा मकवाना भले विक्रांत मैसी के साथ 'मुसाफिर कैफे' में हीरोइन बन कर आ रही हैं, मगर एक समय वे उनके साथ चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में काम कर चुकी हैं। वह कहती हैं, 'मैंने अपने करियर की शुरुआत में करीब पंद्रह साल पहले विक्रांत के साथ काम किया था। 'बालिका वधू' के समय मैं उनसे पहली बार मिली थी। मुझे याद है कि मैं उनके पास फोटो खिंचवाने गई थी और उन्होंने मेरे साथ तस्वीर खिंचवाई थी। आज इतने साल बाद हम दोनों एक-दूसरे के अपोजिट पूरा शो कर रहे हैं। यह अपने आप में बहुत खास एहसास है। विक्रांत बहुत ही स्वीटहार्ट इंसान हैं। वह शानदार अभिनेता हैं, लेकिन उससे भी बढ़कर वह बहुत अच्छे इंसान हैं। उनके साथ काम करके सबसे बड़ी सीख मुझे उनका अनुशासन मिला। अपने क्राफ्ट को लेकर उनकी गंभीरता मेरे लिए सबसे बड़ा उदाहरण है। विक्रांत में आज भी उतनी ही विनम्रता है। उनके साथ काम करने और अपने रोल को लेकर बहुत उत्साहित हूं। एक कैफे ओनर, जो एक रोमांटिक लड़की भी है, का रोल मैंने मैनिफेस्ट किया था और मुझे वो करने का मौका मिला।'

भोरमदेव में महाचतुर शुद्धि सहस्र कलशम् : वैदिक व शैव आगम अनुष्ठानों से जागृत हुई आध्यात्मिक ऊर्जा

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

छत्तीसगढ़ के 'खजुराहो' के नाम से प्रसिद्ध ऐतिहासिक भोरमदेव महादेव मंदिर में महा दिव्य देशम् फाउंडेशन (एसएमडीडीएफ) एवं भोरमदेव सनातन तीर्थ समिति, कबीरधाम के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय 'महाचतुर शुद्धि सहस्र कलशम्-2026' श्रद्धा, भक्ति और वैदिक परंपराओं के दिव्य वातावरण में संपन्न हो रहा है। देशभर से आए श्रद्धालु इस महाअनुष्ठान में सहभागिता कर आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव कर रहे हैं। यह आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि वैदिक एवं शैव आगम परंपरा के उन दुर्लभ संस्कारों का पुनर्जागरण है, जिनका उद्देश्य मंदिर, प्रकृति और समाज की आध्यात्मिक चेतना को पुनः जागृत करना है।

महाअनुष्ठान के चौथे दिन मंगलवार को कलशाभिषेक, अष्टदिक्पालक आवाहन, शिवलिंग स्थापन, योगिनी त्वरिता पूजा तथा विशेष संगीत, नृत्य एवं वाद्य अर्चना जैसे दुर्लभ अनुष्ठान संपन्न हुए। केरल से आए वैदिक आचार्यों ने शैव आगम परंपरा के अनुसार वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान भोरमदेव का कलशाभिषेक कराया। तांबे एवं पीतल के पवित्र कलशों में गंगाजल, पंचगव्य, औषधियां, आम के पत्ते और नारियल स्थापित कर देवशक्ति का आवाहन किया गया। इसके पश्चात अभिमंत्रित कलशों के जल से शिवलिंग का अभिषेक कर मंदिर, क्षेत्र और समस्त मानव समाज के कल्याण की प्रार्थना की गई।

इसके बाद अष्टदिक्पालक आवाहन के अंतर्गत आठों दिशाओं के अधिष्ठाता देवताओं इंद्र, अग्नि, यम, नैऋति, वरुण, वायु, कुबेर और ईशान का वैदिक मंत्रों के साथ आवाहन किया गया। उनसे संपूर्ण अनुष्ठान की निर्विघ्न सिद्धि, क्षेत्र की रक्षा, विश्व शांति और लोकमंगल की कामना की गई।

महाअनुष्ठान के दौरान शिवलिंग स्थापन की पवित्र प्रक्रिया भी संपन्न हुई। वैदिक एवं शैव आगम विधि के अनुसार भगवान शिव का आवाहन, प्राण प्रतिष्ठा और अधिषेक कर शिवलिंग को दिव्य चेतना से संपन्न पूजनीय स्वरूप प्रदान किया गया। इसे देवशक्ति के पुनर्जागरण और मंदिर की आध्यात्मिक ऊर्जा के पुनर्संचार का प्रतीक माना जाता है।

इसी क्रम में योगिनी त्वरिता पूजा के माध्यम से शक्ति स्वरूपा मां त्वरिता की आराधना कर अनुष्ठान की सफलता, आध्यात्मिक उन्नति, सकारात्मक ऊर्जा तथा समस्त विघ्न-बाधाओं की शांति की प्रार्थना की गई। शाक्त एवं शैव परंपराओं में इस पूजा का विशेष महत्व माना जाता है।

शाम को भगवान भोरमदेव के समक्ष विशेष संगीत, नृत्य एवं वाद्य अर्चना प्रस्तुत की गई। केरल के पारंपरिक वाद्ययंत्रों नादस्वरम, चेंडा और मृदंगम की मंगलध्वनि तथा भक्तिमय शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुतियों से पूरा मंदिर परिसर शिवमय वातावरण में सराबोर हो गया। सनातन परंपरा में संगीत और नृत्य को ईश्वर की उपासना का दिव्य माध्यम माना गया है। भगवान शिव स्वयं नटराज स्वरूप में नृत्य और संगीत के अधिष्ठाता हैं, इसलिए यह अर्चना भक्ति, समर्पण और दिव्य चेतना का विशेष प्रतीक मानी जाती है।

महाअनुष्ठान में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सपत्नीक शामिल हुए और भगवान भोरमदेव का आशीर्वाद प्राप्त किया। उनके साथ पंडरिया विधायक भावना बोहरा, शद्धाणी दरबार के संत तथा विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी पूजा-अर्चना में सहभागिता की।

एसएमडीडीएफ के संस्थापक आरआर जी ने कहा कि महाचतुर शुद्धि सहस्र कलशम्-2026 का उद्देश्य भोरमदेव मंदिर को केवल आस्था या पर्यटन का केंद्र नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति, वैदिक ज्ञान और शैव आगम परंपरा के जीवंत आध्यात्मिक ऊर्जा केंद्र के रूप में पुनः प्रतिष्ठित करना है। उन्होंने कहा कि यह अनुष्ठान केवल भोरमदेव मंदिर ही नहीं, बल्कि संपूर्ण कबीरधाम, छत्तीसगढ़ और समस्त समाज के आध्यात्मिक कल्याण के लिए समर्पित है। देव प्रेरणा से संपन्न हो रहे इस महाअनुष्ठान से मंदिर की प्राणशक्ति, चेतना और आध्यात्मिक ऊर्जा का पुनर्जागरण हो रहा है, जिसका सकारात्मक प्रभाव पूरे क्षेत्र पर पड़ेगा।

महाअनुष्ठान का अंतिम दिवस बुधवार, 29 जुलाई (गुरु पूर्णिमा) को मनाया जाएगा। इस अवसर पर सहस्र कलशाभिषेक, उषा पूजा, शिवलिंग निमज्जनम् तथा सायंकाल श्रीचक्र पूजा के साथ महाअनुष्ठान का भव्य समापन होगा। आयोजन समिति ने कबीरधाम सहित प्रदेशभर के श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस दिव्य आध्यात्मिक अनुष्ठान का पुण्य लाभ प्राप्त करने की अपील की है।

खास खबर

कबीरधाम को मिला नया एसपी, आईपीएस जितेंद्र कुमार यादव ने संभाला पदभार

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

आईपीएस जितेंद्र कुमार यादव ने मंगलवार को जिला कबीरधाम के पुलिस अधीक्षक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। इससे पूर्व वे पुलिस अधीक्षक, बीजापुर के पद पर पदस्थ थे। पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचने पर उनका अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र बघेल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित पटेल, उप पुलिस अधीक्षक संजय ध्रुव, उप पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) आशीष शुक्ला, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी (पंडरिया) भूपत सिंह, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी (बोडला) अखिलेश कौशिक सहित समस्त राजपत्रित अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात पुलिस अधीक्षक यादव ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय की विभिन्न शाखाओं के साथ-साथ थाना सिटी कोतवाली, नक्सल सेल, साइबर सेल एवं पुलिस कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर कार्यप्रणाली की जानकारी ली तथा अधिकारियों-कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आमजन को त्वरित, संवेदनशील एवं गुणवत्तापूर्ण पुलिस सेवा उपलब्ध कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाना, अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण, महिला एवं बाल सुरक्षा, साइबर अपराधों की रोकथाम, यातायात व्यवस्था में सुधार तथा सामुदायिक पुलिसिंग के माध्यम से पुलिस एवं जनता के बीच विश्वास को और मजबूत किया जाएगा। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से ईमानदारी, अनुशासन, पारदर्शिता एवं टीम भावना के साथ कार्य करते हुए जनविश्वास को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान किया।

प्रयास आवासीय विद्यालय राजनांदगांव के विद्यार्थियों ने लगाया फूड स्टॉल

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

प्रयास आवासीय विद्यालय राजनांदगांव में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं व्यवहारिक शिक्षा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों द्वारा फूड स्टॉल का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों द्वारा संचालित फूड स्टॉल में नींबू पानी, फिंगर चिप्स, स्वीट डिश, स्वीट कॉर्न, सूप, भेल, आलू गोलगप्पा, करोंदा चाट सहित विभिन्न व्यंजन तैयार किए गए थे। फूड स्टॉल के लिए सामग्री का प्रबंधन, ग्राहकों से संवाद अन्य व्यवस्थाओं का संचालन विद्यार्थियों द्वारा किया गया। विद्यार्थियों में जीवनोपयोगी कौशल, नेतृत्व क्षमता, टीमवर्क, आत्मविश्वास, संचार कौशल, व्यवहारिक अनुभव एवं जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के लिए विद्यालय में समय-समय पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। फूड स्टॉल में अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षक एवं अभिभावकों में शामिल होकर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

कलेक्टर ने प्राचार्यो व शिक्षकों को किया सम्मानित

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यालय के प्राचार्यों एवं प्रतियोगी परीक्षाओं में युवाओं के चयन के लिए नियमित रूप से ऑनलाइन मार्गदर्शन प्रदान करने वाले शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। कलेक्टर ने स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय डोंगरगांव एवं हायर सेकेंडरी स्कूल पारगांवखुर्द के प्राचार्यों तथा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षा में युवाओं के चयन में विशेष प्रयास भूमिका निभाने वाले शिक्षक थंगेश्वर साहू एवं स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट सर्वेश्वर दास नगर पालिक निगम विद्यालय राजनांदगांव के व्याख्याता लेखा साहू को सम्मानित किया। शिक्षक थंगेश्वर साहू के विशेष प्रयासों से 3 युवाओं का अग्निवीर तथा व्याख्याता लेखा साहू के विशेष प्रयासों से 3 बच्चों का नीट में चयन हुआ है। इसके साथ ही ऑनलाईन कक्षाओं में अपनी सेवाएं देने वाले व्याख्याता सोहन निषाद को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

कलेक्टर ने शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं के प्रगति की समीक्षा की

कलेक्टर ने राजस्व प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाने के निर्देश दिए

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों तथा शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन 1076, जन शिकायतों, सुशासन तिहार, पीजीएन, पीजी पोर्टल एवं जनदर्शन के लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि प्राप्त आवेदनों का जिम्मेदारीपूर्वक और संतोषजनक निराकरण किया जाना अनिवार्य है तथा इसकी नियमित ऑनलाइन मॉनिटरिंग भी की जाए।

कलेक्टर ने सभी स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के आधार सत्यापन का कार्य प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने शासकीय भूमि पर अतिक्रमण की शिकायत प्राप्त होने पर तत्काल कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण हटाने तथा शासकीय भूमि का उपयोग जनहित एवं शासकीय कार्यों के लिए सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने सभी विभाग प्रमुखों को शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रभावी कार्ययोजना के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने राजस्व प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाने के निर्देश दिए। राजस्व विभाग द्वारा पिछले एक सप्ताह में 700 से अधिक प्रकरणों का निराकरण किया गया है। कलेक्टर ने गिरदावरी कार्य पूरी पारदर्शिता, समयबद्धता एवं शुद्धतापूर्वक संपादित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आगामी 31 जुलाई 2026 को श्रम विभाग के पंजीकृत हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत सहायता राशि वितरण एवं सम्मान कार्यक्रम की तैयारी की जानकारी ली। कलेक्टर ने कार्यक्रम की सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने खाद्य विभाग को समितियों के खाता मिलान का कार्य शुद्धतापूर्वक करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित विभागों को बजट में प्रस्तावित जिले के निर्माण कार्यों का प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने जिले में खाद-बीज की उपलब्धता, वितरण एवं भंडारण की समीक्षा करते हुए किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद-बीज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने एग्रीस्टैक पंजीयन की प्रगति की जानकारी लेते हुए शेष किसानों का पंजीयन शीघ्र पूर्ण कराने कहा। जिले में अब तक 1 लाख 48 हजार से अधिक किसानों का एग्रीस्टैक पंजीयन किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि एग्रीस्टैक के माध्यम से किसानों को विशिष्ट किसान आईडी प्राप्त होती है, जिससे विभिन्न कृषि योजनाओं का लाभ आसानी से मिल सकेगा।

कलेक्टर ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि प्राप्त आवेदनों का परीक्षण शीघ्र पूर्ण कर पात्र हितग्राहियों के घरों में सोलर पैनल स्थापना का कार्य तेज गति से कराया जाए। उन्होंने कहा कि योजना के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह योजना आम नागरिकों के बिजली व्यय में कमी लाने वाली महत्वपूर्ण पहल है। जिले में अब तक 4 हजार 367 हितग्राहियों के यहां सोलर पैनल स्थापित किए जा चुके हैं तथा योजना से लाभान्वित होकर 1300 से अधिक घरों का बिजली बिल शून्य हो गया है। औद्योगिक प्रतिष्ठानों में ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर ने हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की निःशुल्क स्क्रीनिंग, समय पर सोनोग्राफी, उपचार, आवश्यक दवाइयों एवं स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की नियमित मोबाइल आधारित मॉनिटरिंग करने कहा। श्रम विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं के माध्यम से मजदूर गर्भवती महिलाओं का पंजीयन कर उन्हें लाभान्वित करने के निर्देश दिए, ताकि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जा सके। महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में 4 हजार से अधिक गर्भवती महिलाओं का पंजीयन किया जा चुका है।

कलेक्टर ने जिले के सभी आश्रमों एवं छात्रावासों में मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने समय-समय पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण कराने कहा।

स्कूल के पास स्थित शराब दुकान को हटाने का नगर पंचायत ने लिया फैसला

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा-थान खम्हरिया

थान खम्हरिया में लंबे समय से उठ रही मांग के बाद नगर पंचायत परिषद ने शराब दुकान को दूसरी जगह स्थानांतरित करने का निर्णय लिया है। पालकों, छात्रों और नगरवासियों की शिकायतों के बाद अब विभाग को प्रस्ताव भेज दिया गया है। बेमेतरा जिले के नगर पंचायत थान खम्हरिया में शराब दुकान स्कूल के पास संचलित है।

बताया जा रहा है कि शराब दुकान के महज 100 से 200 मीटर की दूरी पर एक शासकीय विद्यालय सहित दो निजी स्कूल संचालित हैं, जिनमें एक कन्या विद्यालय भी शामिल है। स्कूल आने-जाने के दौरान छात्र-छात्राओं, खासकर बालिकाओं को शराबियों की अभद्र हरकतों और गाली-गलौज का सामना करना पड़ता है, जिससे भय और असुरक्षा का माहौल बना रहता है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जिले की यह ऐसी शराब दुकान है, जिसके आसपास सड़क किनारे 100 से अधिक अवैध चखना सेंटर संचालित हो रहे हैं। यहां खुलेआम शराब सेवन के साथ मुर्गा-मुर्गी काटी जाती है और सड़क किनारे ही शराबियों की भीड़ लगी रहती है। कई बार शराब के नशे में वाहन चलाने वालों की वजह से स्कूली बच्चों की साइकिलों के साथ दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं।

इन सभी समस्याओं को लेकर नगरवासियों और पालकों ने कई बार जनप्रतिनिधियों से शिकायत की थी। इसके बाद नगर पंचायत अध्यक्ष एवं पार्षदों ने परिषद की बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा की और बच्चों की सुरक्षा तथा नगरवासियों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए शराब दुकान को अन्य उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया।

अब सबकी निगाहें आबकारी विभाग के फैसले पर टिकी हैं कि नगर पंचायत के इस प्रस्ताव पर कब अमल होता है और स्कूली बच्चों को इस समस्या से राहत कब मिलती है।

राष्ट्रभक्त सनातनियों व बजरंग दल के सैकड़ों लोगों ने गौ माता के सम्मान में निकाली विशाल रैली

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

राष्ट्रभक्त सनातनियों और बजरंग दल के सैकड़ों लोगों ने गौ माता के सम्मान में विशाल रैली निकालकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करते हुए, जिला कलेक्ट्रेट पहुंचकर राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के नाम का ज्ञापन , मांगपत्र प्रकाश भारद्वाज को सौंपा, उनकी मुख्य मांग थी कि गाय की रक्षा हो और गाय को राष्ट्र माता का दर्जा दिया जाए।

जिस प्रकार से लगातार सड़क दुर्घटनाओं में गोवंश की हानि हो रही है, रखरखाव की व्यवस्था नहीं हो पा रही है, उनके चारागाह भी अतिक्रमण का शिकार हो गए हैं, गाय के चरने के स्थान को भी नहीं छोड़ा गया है, जिस वजह से आज गाय सड़कों पर घूम रही है, जहां तेज रफ्तार वाहनों से लगातार दुर्घटनाएं हो रही है, उनकी रक्षा के लिए, सनातन धर्म मानने वाले लोग और बजरंग दल के लोगों ने गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने के लिए राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से मांग की, ज्ञापन जिला कलेक्ट्रेट में पहुंचकर काफी इंतजार के बाद रामायण और हनुमान चालीसा का पाठ करते हुए रोड पर बैठे धर्मावलंबियों ने

अपना मांग पत्र सौंपा गया।

उनका कहना यह था कि लगातार वे गौ माता की रक्षा के लिए मांग करते आ रहे हैं परंतु अभी तक उनकी मांग पूरी नहीं हुई है, उन्हें गौ माता पर पूरा विश्वास है कि उनकी मांग अवश्य पूरी की जाएगी, उन्होंने कहा कि जिस प्रकार एक मां अपने बच्चों की रक्षा करती है इस तरह गौ माता भी राष्ट्र भक्त सनातन धर्म का पालन करने वाले लोगों की रक्षक है,जिसके दूध में रोग प्रतिरोधक क्षमता है,इनके शरीर में देवताओं का निवास है,जो जीवन दायिनी है,जिसके स्पर्श मात्र से असाध्य बीमारियां ठीक होती है, वह सभी की माता है जिसने उसका दूध पिया वह स्वस्थ , सुखी हुआ, ऐसी माता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिया जाना चाहिए, अब देखना यह होगा कि इनकी मांगे कब तक मानी जाती है।

राष्ट्रव्यापी गौ सम्मान आह्वान अभियान: निकाली गौ सम्मान शोभायात्रा

राजनांदगांव। राष्ट्रव्यापी गौ सम्मान आह्वान अभियान अंतर्गत जिला मुख्यालय राजनांदगांव में भव्य गौ सम्मान शोभायात्रा निकाली गई। गौ सम्मान शोभायात्रा महादेव चौक से प्रारंभ होकर भगत सिंह चौक, गुड़ाखु लाईन, आजाद चौक, सिनेमा लाइन, मानव मंदिर चौक, गुरुद्वारा जीई रोड, अम्बेडकर चौक होते हुए जिला कार्यालय पहुंचेगी।

जहां राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम अभियान अंतर्गत एकत्रित लगभग 3.50 लाख से अधिक हस्ताक्षरों के साथ गौहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध, गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा प्रदान करने तथा केंद्रीय गौ मंत्रालय की स्थापना की मांग संबंधी ज्ञापन सौंपा गया। शोभायात्रा के दौरान भजन-कीर्तन, गौ महिमा एवं गौमाता की उपयोगिता पर आधारित पोस्टर, बैनर तथा जनजागरण संदेशों के माध्यम से नागरिकों को गौ संरक्षण एवं गौ सम्मान के प्रति जागरूक किया गया। गौ सम्मान शोभायात्रा में बड़ी संख्या में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में गौ पालक, गौ सेवक उपस्थित थे।

कारगिल विजय दिवस उनका जीवन प्रत्येक युवा के लिए देशभक्ति, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा की अमिट प्रेरणा है

वीर अमर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि, विद्यार्थियों ने लिया राष्ट्रसेवा का संकल्प

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

कुमारी देवी चौबे कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, साजा में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के तत्वावधान में बीते दिवस कारगिल विजय दिवस श्रद्धा, सम्मान एवं देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर कारगिल युद्ध के अमर शहीदों के अद्वितीय साहस, शौर्य एवं सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता, अनुशासन तथा सेवा भावना को सुदृढ़ करने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ कारगिल युद्ध के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर किया गया। इसके उपरांत विद्यार्थियों के लिए भाषण, पोस्टर एवं रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए कारगिल के वीर सैनिकों के शौर्य, राष्ट्रभक्ति एवं मातृभूमि के प्रति समर्पण को अपने विचारों, कलात्मक प्रस्तुतियों और रचनात्मक अभिव्यक्तियों के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। प्रतियोगिताओं का उद्देश्य विद्यार्थियों में देशभक्ति, राष्ट्रीय चेतना तथा समाज के प्रति उत्तरदायित्व की भावना का विकास करना था।

इस अवसर पर महाविद्यालय के विद्यार्थियों, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रसेवा की शपथ भी दिलाई गई। सभी ने राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं संप्रभुता की रक्षा के लिए सदैव समर्पित रहने तथा समाज एवं राष्ट्रहित में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. गोविंद प्रसाद ने अपने संबोधन में कहा कि कारगिल विजय दिवस केवल एक ऐतिहासिक अवसर नहीं, बल्कि भारत के वीर सैनिकों के अदम्य साहस, अटूट संकल्प और सर्वोच्च बलिदान को स्मरण करने का दिवस है। उन्होंने कहा कि कारगिल के वीर जवानों ने अपने अद्वितीय पराक्रम और अनुशासन से यह सिद्ध किया कि राष्ट्र की सुरक्षा और सम्मान सर्वोपरि है। उनका जीवन प्रत्येक युवा के लिए देशभक्ति, कर्तव्यनिष्ठा एवं राष्ट्रसेवा की अमिट प्रेरणा है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे सैनिकों के आदर्शों से प्रेरणा लेकर अनुशासन, ईमानदारी, सेवा भावना और राष्ट्रहित को अपने जीवन का मूल मंत्र बनाएं तथा देश के विकास और सामाजिक उत्थान में सक्रिय भूमिका निभाएं।

कार्यक्रम में डॉ. ओम कुमार नेताम, डॉ. ज्योति बाला, डॉ. सुप्रिया ठाकुर एवं डॉ. सृष्टि सिंह परिहार की विशेष उपस्थिति रही। सभी प्राध्यापकों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कारगिल के अमर शहीदों के त्याग, शौर्य एवं राष्ट्रभक्ति को सदैव स्मरण रखने तथा राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हुए अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का संदेश दिया।

बुलडोजर चलाकर शासकीय भूमि से हटाया अवैध कब्जा

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

जिले में शासकीय जमीनों पर किए गए अवैध कब्जों के खिलाफ जिला प्रशासन का हंटर लगातार चल रहा है। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के कड़े निर्देशन में चलाए जा रहे इस अभियान के तहत डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम रीवागहन में बड़ी कार्रवाई की गई। राजस्व विभाग की टीम ने शासकीय घास भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण को बुलडोजर चलाकर पूरी तरह ध्वस्त कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम रीवागहन निवासी संजय वर्मा द्वारा गांव की शासकीय घास भूमि पर बिना किसी अनुमति के टीन शेड का निर्माण कर अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया था। इसकी शिकायत मिलने के बाद राजस्व विभाग की टीम आज पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने नियमानुसार कार्रवाई करते हुए बुलडोजर (जेसीबी) की मदद से अवैध निर्माण को ढहा दिया और कीमती शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया। शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सरकारी जमीनों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए जिला प्रशासन की यह कार्रवाई आगे भी इसी तरह लगातार जारी रहेगी।

प्रशासन द्वारा अचानक की गई इस कार्रवाई से क्षेत्र के भू-माफियाओं और अवैध कब्जाधारियों में हड़कंप मच गया है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि सरकारी जमीनों पर नियम-विरुद्ध निर्माण करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। राजस्व विभाग की टीमें जिले के अन्य क्षेत्रों में भी चिन्हित की गई शासकीय भूमियों की जांच कर रही हैं और जल्द ही अन्य स्थानों पर भी बेदखली की कार्रवाई देखने को मिल सकती है।

CSMCL ओवर टाइम घोटाला : EOW की बड़ी कार्रवाई, अनवर ढेबर के तीन ठिकानों पर सर्च

अवैध संपत्ति के मिले दस्तावेज, आरोपियों से पूछताछ जारी, विवेचना जारी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य खनिज विकास निगम CSMCL में हुए करोड़ों के ओवर टाइम भुगतान घोटाले में आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो EOW और एंटी करप्शन ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई की है। मामले के मुख्य आरोपी अनवर ढेबर के सहयोगियों के 3 ठिकानों पर एक साथ सर्च कार्यवाही की गई।

क्या मिला सर्च में

EOW अधिकारियों के अनुसार सर्च के दौरान आरोपी अनवर ढेबर द्वारा घोटाले से अर्जित अवैध रकम को नामी और बेनामी संपत्तियों में निवेश किए जाने संबंधी महत्वपूर्ण दस्तावेज और साक्ष्य बरामद किए गए हैं। इन दस्तावेजों से घोटाले के पैसे को हेराफेरी कर संपत्ति खरीदने के पूरे नेटवर्क का खुलासा होने की संभावना है।

किस मामले में कार्रवाई

यह कार्रवाई अपराध क्रमांक 44/2024 में की गई है। प्रकरण भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 7(बी), 8 और भादवि की धारा 467, 468, 471, 120बी के तहत दर्ज है। आरोप है कि CSMCL में ओवर टाइम के नाम पर फर्जी भुगतान कर सरकारी खजाने को करोड़ों का चूना लगाया गया। इस घोटाले में अनवर ढेबर मुख्य आरोपी है।

आगे की कार्रवाई

EOW ने बताया कि सर्च के दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर अनवर ढेबर के सहयोगियों और संबंधित व्यक्तियों से पूछताछ की जा रही है। ब्यूरो द्वारा मामले में लगातार कार्रवाई की जा रही है और प्रकरण की विवेचना जारी है। आने वाले दिनों में और लोगों की गिरफ्तारी और संपत्ति कुर्की की कार्रवाई संभव है।

सूखे नशे पर बड़ी कार्रवाई, बिना पर्ची नशीली दवाएं बेचने वाले 4 मेडिकल स्टोर सील

दर्जन से अधिक स्टोर्स की जांच, औषधि एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज

रायपुर। राजधानी में युवाओं में बढ़ते सूखे नशे (ड्राई ड्रग्स) के कारोबार पर रायपुर पुलिस कमिश्नरेट और औषधि व प्रशासन विभाग ने संयुक्त रूप से बड़ी कार्रवाई की है। बिना डॉक्टर की पर्ची के प्रतिबंधित दवाइयां बेचने के आरोप में शहर के 4 मेडिकल स्टोर सील कर दिए गए हैं।

3 दर्जन से अधिक मेडिकल स्टोर्स की जांच : पुलिस आयुक्त डॉ. संजीव शुक्ला के निर्देश पर मंगलवार 28 जुलाई को एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट, संबंधित थाना पुलिस, औषधि निरीक्षक और औषधि विभाग की संयुक्त टीम ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में 03 दर्जन से अधिक मेडिकल स्टोर्स पर दबिश दी। इस दौरान टेस्ट पर्चेसिंग कराकर जांच की गई। जांच में कई जगहों पर बिना प्रिस्क्रिप्शन के नशीली दवाओं की बिक्री के सबूत मिले।

ये 4 मेडिकल स्टोर हुए सील : पुलिस और औषधि विभाग की कार्रवाई में निम्न 4 मेडिकल स्टोर्स को सील किया गया जिसमें मां दुर्गा मेडिकोज – गोल चौक, थाना डी.डी. नगर, आयुष मेडिकल – गुढियारी, विश्वास मेडिकल – भनपुरी, थाना खमतराई, उदय मेडिकल स्टोर – उरकुरा, थाना खमतराई शामिल है।

कौन सी दवाएं मिलीं : जांच में पाया गया कि उक्त मेडिकल स्टोर संचालक बिना वैध डॉक्टर की पर्ची के प्रतिबंधित दवाएं Pregabalin Capsules और Rexcof DX Syrup बेच रहे थे। इन दवाओं का दुरुपयोग युवाओं द्वारा नशे के रूप में किया जा रहा है। औषधि व प्रसाधन विभाग द्वारा तारों संचालकों के खिलाफ औषधि व प्रसाधन अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर स्टोर सील कराए गए हैं।

पुलिस आयुक्त का सख्त संदेश : पुलिस उपायुक्त (क्राइम एवं साायबर) स्मृतिक राजनाला के निर्देशन में हुई इस कार्रवाई के बाद पुलिस कमिश्नरेट ने सभी मेडिकल स्टोर संचालकों से अपील की है कि प्रतिबंधित एवं प्रिस्क्रिप्शन आधारित दवाओं का विक्रय केवल वैध डॉक्टर की पर्ची पर ही किया जाए। पुलिस ने चेतावनी दी है कि भविष्य में भी नियमों का उल्लंघन करने वाले मेडिकल स्टोरों के खिलाफ ऐसी ही सख्त वैधानिक कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। उद्देश्य : शहर में बढ़ते सूखे नशे पर अंकुश लगाकर युवाओं को नशे की लत से बचाना।

सरस्वती साइकिल योजना में भ्रष्टाचार का आरोप

रवि भगत ने स्कूल में किया हंगामा, गुणवत्ता पर उठाए सवाल, पुलिस हिरासत में भाजयुमो के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष

नई दृष्टिबिंदु / रायगढ़

रायगढ़ जिले के लैलूंगा विधानसभा क्षेत्र के कुपाकानी गांव में मंगलवार को सरस्वती साइकिल वितरण योजना के दौरान जमकर हंगामा हो गया। भाजयुमो के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत ने साइकिलों की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठाते हुए सरकारी योजना में भारी भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। हंगामे के बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया।

क्या हुआ स्कूल में : स्कूल परिसर में छात्राओं को सरस्वती साइकिल वितरण योजना के तहत साइकिलें दी जा रही थीं। इसी दौरान रवि भगत मौके पर पहुंचे और वितरित की जा रही साइकिलों की गुणवत्ता पर आपत्ति जताई। आरोप है कि उन्होंने साइकिल लेने पहुंची छात्राओं से साइकिलें वापस करवाने को कहा, जिसके बाद स्कूल परिसर में स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

रवि भगत ने कहा कि "छात्राओं को दी जा रही साइकिलें गुणवत्ता के मानकों पर खरी नहीं उतरतीं। सरकारी योजना के नाम पर भ्रष्टाचार किया जा रहा है।" उन्होंने पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की।

पुलिस ने लिया हिरासत में : स्कूल में हुए हंगामे की सूचना मिलते ही लैलूंगा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने रवि भगत को हिरासत में ले लिया।

एसपी शिमोहन सिंह ने हिरासत में लिए जाने की पुष्टि की है। पुलिस के अनुसार रवि भगत के रवैये और हंगामे को लेकर शिकायत भी मिली है। फिलहाल पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज : इस घटना के बाद क्षेत्र में सरस्वती साइकिल वितरण योजना को लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। विपक्ष ने योजना में अनियमितता का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की है, वहीं प्रशासन ने कहा है कि वितरित की जा रही सभी साइकिलें निर्धारित मापदंडों के अनुसार हैं। सरस्वती साइकिल योजनाः राज्य सरकार की इस योजना के तहत 9वीं कक्षा की छात्राओं को स्कूल आने-जाने के लिए निःशुल्क साइकिल वितरित की जाती है।

बालोद में ग्रामीणों ने किया अनोखा प्रदर्शन, सड़क में धान की रोपाई

नई दृष्टिबिंदु / बालोद

भैसबोड़ गांव में 16 लाख रुपये की स्वीकृत सड़क का काम करीब 1 साल बाद भी शुरू नहीं हो सका है। लंबे समय से परेशानी का सामना कर रहे ग्रामीणों ने बुधवार को एक अनोखे अंदाज में अपना विरोध जताया। उन्होंने मार्ग के बीच में ही धान की रोपाई कर दी। इस दौरान वह ट्रैक्टर लेकर भी मौके पर पहुंचे थे।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गांव में राम मंदिर से मड़ई चौक तक करीब 16 लाख 15 हजार रुपये की लागत से सड़क निर्माण के लिए मंडी बोर्ड से प्रशासनिक स्वीकृति 12 दिसंबर 2024 को जारी की गई थी। इसके बाद 4 सितंबर 2025 को वर्क ऑर्डर जारी हुआ था। तीन महीने में सड़क बनकर तैयार होनी थी, लेकिन लगभग 1 साल बीतने के बावजूद निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है। बरसात के मौसम में ग्रामीणों की परेशानी दोगुनी हो गई है। स्कूल जाने वाले बच्चों से लेकर बुजुर्गों का आवागमन मुश्किल हो चुका है। वर्षों की मांगों के बाद यहां सड़क बनने के लिए स्वीकृति मिली थी, वर्क ऑर्डर भी जारी हुआ, मगर सड़क निर्माण कार्य शुरू ही नहीं हो पाया। ग्रामीणों की मांग है कि जल्द से जल्द निर्माण कार्य शुरू किया जाए।

GOSWWAMI
FLEX PRINTING
ADVERTIZER
भिलाई में सबसे सस्ता, सबसे अच्छा
Hoardings • Flex Banner • Vinyl Printing
One Way Vision • Glow Sign Board
93290-13334, 74711-15735
goswamiflex@gmail.com
Address - 3rd Floor Shop No-1, Arora Tower, M.C. Market

अर्चना
फ्लाई ऐश ब्रिक्स
निर्माता एवं विक्रेता
हैवी इंडस्ट्रीयल एरिया, भिलाई
8 इंच एवं 9 इंच में उपलब्ध है।
संपर्क करें
9329960605, 9827160605, 9098639991

Baked by Suhani
Premium Homemade Cakes & Desserts
Birthday Cakes
Anniversary Cakes
Custom Theme Cakes
Serving Bhilai & Durg
Order Now:
@baked.by.suhani
M0.6263734520

10वीं, 12वीं, स्नातक एवं स्नातकोत्तर पास छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य के लिए
फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण
नौकरी में सहायक
प्रवेश प्रारंभ सत्र 2026-2027
निजी कंपनियां जैसे पावर प्लांट, सीमेंट प्लांट, स्टील प्लांट, कंस्ट्रक्शन सेक्टर में बहुत नौकरियाँ मिलती है।
प्रशिक्षण शुल्क में विशेष छूट
सरकारी मान्यता प्राप्त प्रमाण पत्र दिया जाएगा
फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण में प्रवेश प्रारंभ

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	क्र.	पाठ्यक्रम का नाम
1.	फायर टेक्नोलॉजी एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	5.	पी. जी. कोर्स व्यावसायिक सेफ्टी, स्वास्थ्य व पर्यावरण मैनेजमेंट सिस्टम
2.	इंडस्ट्रियल सेफ्टी / पी. जी. इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6.	हैल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर
3.	बी.एस.सी. इन फायर सेफ्टी	7.	सब- फायर ऑफिसर
4.	पी. जी. कोर्स फायर एवं इंडस्ट्रियल सेफ्टी	8.	सर्टिफिकेट इन फायरमैन-इंडस्ट्रियल सेफ्टी

(An Authorized Training Centre of AEERO)
फायर सेफ्टी एवं डिजास्टर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट
(मान्यता प्राप्त निजी प्रशिक्षण संस्थान)
कैंपस :- इंदिरा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़
ADMISSION HELPLINE: 7697212782

BA
BCA
BCom
BBA
BSc
PGDCA
MSc CHEMISTRY
MSc BIOTECHNOLOGY
MSc BOTANY
MSc ZOOLOGY
MSc COMPUTER Sc
MSc MATHS
MA ENGLISH
MCom
BLib
MLib
DCA
MA CHHATTISGARHI
Affiliated to Hemchand Yadav University, Durg
SAI COLLEGE
Street-69, Sector-6, Bhilai
70248 86996
99770 01027
Deepak Advertisers

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100